Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
सकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 189 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, रविवार 19 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

मानसून सत्र के बीच एनडीए का मंगल मिलन, 21 जुलाई को बनेगी अहम रणनीति

नई दिल्ली। **NDA** ने 21 जुलाई को संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक बुलाई है, जो मॉनसून सत्र के विधायी एजेंडे और राजनीतिक गहमागहमी के बीच अहम मानी जा रही है। इस सत्र में हश्वश्वज्ञ पेपर लीक और रक्षा मंत्री की टिप्पणी जैसे मुद्दों पर विपक्ष की ज़ोरदार बहस होने की संभावना है, जिससे संसद की कार्यवाही पर असर पड़ सकता है।

नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस 3 ने 21 जुलाई को होने वाली अपनी संसदीय दल की बैठक को 'मंगल मिलन' का नाम दिया है। यह बैठक सुबह 9:30 बजे संसद पुस्तकालय भवन के **GMC** बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी और इसमें लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों के **NDA** के सभी सांसद शामिल होंगे। सरकार के विधायी एजेंडे को देखते हुए **NDA** नेताओं की यह बैठक अहम है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ऐलान के मुताबिक, 13 अगस्त तक चलने वाले मॉनसून सत्र के दौरान कई अहम बिलों पर विचार किए जाने की उम्मीद है। समाचारपत्र

इस सत्र में कई विपक्षी पार्टियों में हाल ही में हुए बदलावों के बीच ज़ोरदार राजनीतिक बहस होने की उम्मीद है। हाल के हफ़्तों में हुए इन राजनीतिक बदलावों का असर संसद की कार्यवाही पर पड़ सकता है। विपक्ष कई मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है, जिनमें कथित **NEET-UG** पेपर लीक और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हुई मौतों पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी शामिल है। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री की टिप्पणी को लेकर उनके ख़िलाफ़ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

इसके अलावा, प्रस्तावित 130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति के 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंज़ूरी देने और फिर उसे संसद में पेश करने की उम्मीद है। इस बिल को लेकर राजनीतिक चर्चा हो रही है क्योंकि इसमें एक प्रावधान है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय या राज्य मंत्री गंभीर अपराधों के मामलों में लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें अपने पद से स्वत: हटना होगा।

स्वतंत्रता दिवस आयोजन को लेकर शासन अलर्ट, जिलों को जारी हुए दिशा-निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता दिवस 2026 के आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राज्य शासन ने राष्ट्रीय पर्व के गरिमामय आयोजन के लिए सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुबह 9 बजे मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे।

इस वर्ष 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे प्रदेश में विशेष रूप से सामूहिक वंदे मातरम् गायन कराया जाएगा। राज्य शासन ने सभी शासकीय विभागों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों को इस आयोजन में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला मुख्यालयों पर संबंधित प्रभारी मंत्री अथवा राज्य शासन द्वारा नामित जनप्रतिनिधि ध्वजारोहण करेंगे। वहीं विकासखंड, नगर निकाय और ग्राम पंचायत स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों द्वारा तिरंगा फहराया जाएगा और राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक सलामी दी जाएगी।

शासन ने समारोह के दौरान शहीद जवानों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा उनके परिजनों को सम्मानित करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सभी शासकीय भवनों, स्कूल-कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पालन करते हुए स्वतंत्रता दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाने को कहा गया है।

राज्य सरकार ने सभी जिलों से सुरक्षा, स्वच्छता और आयोजन संबंधी तैयारियां समय पर पूरी करने तथा राष्ट्रीय पर्व को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

रेलवे विकास में छत्तीसगढ़ को बड़ी उपलब्धि, सरोना सहित तीन पुनर्विकसित स्टेशनों का प्रधानमंत्री ने किया लोकार्पण

सांसद बृजमोहन ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का जताया आभार

सरोना स्टेशन के लोकार्पण से रायपुर को मिली नई रफ्तार

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश को रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात दी है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए देशभर के 75 रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भव्य लोकार्पण किया।

इस ऐतिहासिक कड़ी में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सरोना रेलवे स्टेशन के नवनिर्मित स्वरूप का भी गरिमामय समारोह में लोकार्पण किया गया।

सरोना स्टेशन पर आयोजित इस मुख्य लोकार्पण समारोह में राज्यपाल रमेन डेका और रायपुर के लोकप्रिय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल विशेष रूप से शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़वासियों को बधाई देते हुए कहा कि, 'आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बेहद गौरवशाली है। प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से सरोना के साथ-साथ बालोद और चांपा रेलवे स्टेशनों का भी पुनर्विकास हुआ है। यह विकसित भारत की उस नई सोच का प्रतीक हैं उन्होंने कहा कि, रायपुर की जनता को बधाई देते हुए कहा कि रायपुर के मुख्य रेलवे स्टेशन पर बढ़ते दबाव को कम करने और यात्रियों की सहूलियत के लिए सरोना रेलवे स्टेशन अब एक बड़े सब-स्टेशन के रूप में काम करेगा। इससे रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ के यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी तकनीकी क्षमता का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी ने आज देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का भी उद्घाटन किया है, जिससे 'ग्रीन ट्रेन' चलाने का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। दुनिया के कई विकसित देश भी अभी तक हाइड्रोजन ट्रेन नहीं चला पाए हैं, लेकिन भारत ने यह कर दिखाया है। इस पहल से ट्रेनों के कारण होने वाले प्रदूषण पर पूरी तरह से रोक लगेगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।'

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की जनता की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है।

कार्यक्रम के दौरान 'मेरे शहर का स्टेशन विकसित भारत में कैसा होगा' थीम पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसमें ड्राइंग, निबंध, डांस और 'सेल्फी विद स्टेशन' प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर रायपुर की महापौर श्रीमती मीनू चौबे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने बलौदाबाजार डीईओ प्रभार आदेश किया निरस्त

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) का प्रभार संदीप शर्मा को सौंपे जाने संबंधी राज्य शासन के आदेश को निरस्त कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि प्रभार सौंपने में वरिष्ठता के सिद्धांत का पालन नहीं किया गया, जो शासन के निर्धारित नियमों और परिपत्रों के विपरीत है।

यह मामला लवन स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य हरिशंकर जोशी की याचिका पर सुनवाई के बाद सामने आया। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा था कि वे संदीप शर्मा से वरिष्ठ होने के बावजूद 10 जून 2026 के आदेश के माध्यम से संदीप शर्मा को डीईओ का प्रभार दे दिया

गया।मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बिभू दत्ता गुरु की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने पाया कि हरिशंकर जोशी वर्ष 2016 से प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं, जबकि संदीप शर्मा को वर्ष 2025 में प्राचार्य पद पर पदोन्नति मिली थी। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारी को नजरअंदाज कर कनिष्ठ अधिकारी को प्रभार देना उचित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं है।

हाईकोर्ट ने 10 जून 2026 के आदेश को निरस्त करते हुए राज्य शासन को नियमों के अनुसार उपयुक्त अधिकारी को डीईओ का प्रभार सौंपने के लिए नया आदेश जारी करने की स्वतंत्रता दी है।

न्यायालय के इस फैसले को प्रशासनिक नियुक्तियों में वरिष्ठता के पालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ओवरबुकिंग पड़ी महंगी: विस्तारा पर 1.10 लाख का जुर्माना, उपभोक्ता आयोग ने माना सेवा में कमी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सेवा में गंभीर कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार का दोषी मानते हुए विस्तारा एयरलाइंस पर 1.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने यह राशि कांकेर में पदस्थ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) भूपेंद्र कुमार वासनीकर को मानसिक क्षतिपूर्ति और मुकदमे के खर्च के रूप में देने का आदेश दिया है।इसमें 10 हजार रुपये वाद व्यय शामिल हैं। आयोग ने निर्देश दिया कि 45 दिनों के भीतर भुगतान नहीं होने पर एयरलाइन को सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

मामला 28 मई 2023 का है, जब एडीजे वासनीकर अपने परिवार के साथ कश्मीर यात्रा से लौटते समय दिल्ली से रायपुर आ रहे थे। उन्होंने पहले ही चार कन्फर्म टिकट बुक कराए थे, लेकिन समय से चार घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचने के बावजूद उन्हें तीन घंटे तक बोर्डिंग पास जारी नहीं किया गया।

बाद में ओवरबुकिंग का हवाला देकर उनका कन्फर्म टिकट रद्द कर दिया गया, जबकि उनकी पत्नी और दोनों बच्चों को रायपुर भेज दिया गया। एडीजे को दिल्ली में रुकना पड़ा और अगले दिन इंडिगो की फ्लाइट से 18,823 रुपये का नया टिकट खरीदकर रायपुर लौटना पड़ा।

आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुंडू और सदस्य आनंद वर्गीस की पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि जिस टिकट को एडीजे ने 7,204 रुपये में खरीदा था, उसे एयरलाइन ने उड़ान के दिन कथित रूप से लगभग 40 हजार रुपये में दूसरे यात्री को बेच दिया। आयोग ने एयरलाइन के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि कोई वैकल्पिक उड़ान उपलब्ध नहीं थी। आयोग ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन मानते हुए विस्तारा को क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया।

गरीबों का आवास रोका, घोटालों को संरक्षण दिया, चर्चा से भागना विपक्ष की आदत : विजय शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री एवं गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह प्रदेश का पहला ऐसा विपक्ष है जो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय सदन से पलायन करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बहस से भागना विपक्ष की कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और आदिवासियों के हितों की लगातार उपेक्षा की, जबकि वर्तमान सरकार ने ढाई वर्षों में सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए हर क्षेत्र में ठोस परिणाम दिए हैं।

गरीबों का आवास रोकने वाली थी पिछली सरकार

उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर पिछली कांग्रेस सरकार पर सबसे बड़ा हमला करते हुए कहा कि तत्कालीन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने स्वयं कई बार मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गरीबों को आवास नहीं दिला पाने की विवशता व्यक्त की थी और इसी कारण उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा भी दिया था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने गरीबों का आवास रोकने और उनका अधिकार छीनने का काम किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान मे हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही पहली कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। पिछले ढाई वर्षों में 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान कर आवास निर्माण को गति दी गई। पिछली सरकार द्वारा केवल पहली किस्त जारी कर अधूरे छोड़ दिए गए लगभग 8 लाख आवासों को भी पूरा कराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि को मुख्यमंत्री आवास योजना में बदलकर 47 हजार आवास तो स्वीकृत कर दिए, लेकिन उनके लिए बजट तक नहीं रखा। वर्तमान सरकार ने उन आवासों को भी पूरा कराया। उन्होंने बताया कि ढाई वर्षों में 11 लाख प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए जा चुके हैं और शेष आवासों का निर्माण तेजी से जारी है।

शर्मा ने कहा कि पिछली सरकार की शराब नीति स्वयं एक नीतिगत घोटाला थी, जिसके कारण कई प्रभावशाली लोगों को जेल जाना पड़ा। हमारी सरकार आते ही मुख्यमंत्री साय ने उस पूरी भ्रष्ट व्यवस्था को चिमटे से उठाकर उखाड़ फेंकने का कार्य किया और पारदर्शी व्यवस्था लागू की। शर्मा ने कहा कि कोयला घोटाले में भी ऑनलाइन व्यवस्था समाप्त कर ऑफलाइन प्रणाली लागू की गई ताकि कमीशनखोरी हो सके। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) भर्ती घोटाला युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का सबसे बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय भ्रष्टाचार नीति का हिस्सा बन चुका था। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब सीबीआई को छत्तीसगढ़ में प्रवेश तक नहीं दिया गया, क्योंकि बड़े-बड़े घोटालों की जांच से बचना था। आज वही लोग हर मुद्दे पर सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान आठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी जेल गए, जबकि वर्तमान सरकार में पारदर्शी व्यवस्था के कारण ऐसी स्थिति नहीं बनी।

SHORT NEWS

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंच से नीचे आकर बैठे दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी। इससे पहले सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में जंतर-मंतर पहुंची थी और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का विरोध किया, जिससे वहां हंगामा हो गया।

आपदा से बचाव के लिए केनापारा पोखरी में बाढ़ बचाव दल ने किया मॉक ड्रिल

सूरजपुर। संभावित प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत केनापारा स्थित पोखरी में बाढ़ बचाव एवं अग्निशमन दल द्वारा कलेक्टर रेना जमील की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन दल को एक व्यक्ति के पोखरी में डूबने की काल्पनिक सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दल ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मोटरबोट, गोताखोरों एवं आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचकर राहत अभियान प्रारंभ किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने सफलतापूर्वक डूब रहे व्यक्ति का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

बाल विवाह पर होगी कठोर कार्यवाही

सूरजपुर। जिला कलेक्टर रेना जमील के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बालिका शिक्षा, बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण एवं अन्य सामाजिक विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवनगर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्कूली बच्चों की डूबने से मृत्यु के बाद महापौर मधु ने बोरतालाब पहुँचकर पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

राजनांदगांव। विगत बुधवार ग्राम बोरतालाब के डबरी में डूबने से हुई तीन बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद आज महापौर मधुसूदन यादव ने ग्राम बोरतालाब पहुँचकर पीड़ित परिवार एवं ग्रामवासियों से मुलाकात की एवं उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर उनके साथ डोंगरगॉव के वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश गांधी सहित भाजपा के स्थानीय नेतागण गिरवर साहू, बोधी राम साहू, जितेंद्र सिन्हा, अशोक साहू, कैलाश ऊके, देवेंद्र सुलाखे, राकेश साहू, योगेश सोनी, अशोक ठाकुर, जितेंद्र साहू, संतोष नेताम, सरिता मण्डावी, प्रकाश मण्डावी, नरेन्द्र मसराम, संजू मसराम, राजू मण्डावी, अमित भाटिया, राजू सहारे, बेलास निषाद, कन्हैया वर्मा,

संतोष लाउत्रे, विजय साहू, मनोहर साहू, भोज बल्लारे, नगर निगम राजनांदगॉव के पार्षदगण सावन वर्मा, संजु बघेल, सतीश, डिलेश्वर साहु मुख्य रूप से उपस्थित रहें। महापौर एवं साथियों ने डूब के मरने वाले मासूम 5 वर्षीय कृष मांडवी, 6 वर्षीय दिनेश मांडवी और 6 वर्षीय सार्थक कोकाटे के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हौंसला दिलाया। इस दौरान राजनांदगॉव महापौर ने ग्रामवासियों से भी बातचीत कर दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली एवं उनका पक्ष सुना। ग्रामवासियों ने महापौर से पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा सहित दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग रखी। मौके पर ही महापौर ने कलेक्टर राजनांदगॉव एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगॉव से मोबाईल पर संपर्क करके तत्काल पीड़ित परिवार के परिजनों को राहत राशि दिलाने के लिये चर्चा की । इसके बाद महापौर ने उपस्थित ग्रामवासियों को अवगत कराया की प्राकृतिक आपदा में डूब कर मरने पर पीड़ित परिवार को ?4 लाख की सहायता राशि देने का प्रावधान है, जो जिला कलेक्टर के माध्यम से दिलवाया जाएगा। इसी प्रकार दोनों स्कूली बच्चे कृष्ण मंडावी एवं दिनेश मांडवी को स्कूल शिक्षा विभाग से दुर्घटना बीमा की राशि एक लाख रुपए प्रत्येक दिलवाई जाएगी ।

जनदर्शन का उद्देश्य सिर्फ सुनवाई नहीं, समस्याओं का समयबद्ध समाधानः नीलू शर्मा

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस अवसर पर प्राप्त विभिन्न आवेदनों का परीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आदरणीय श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शासन द्वारा संचालित विभिन्न

जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे, यही जनदर्शन कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। जनदर्शन के दौरान नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। श्री शर्मा ने विश्वास दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा आम जनता की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

एक दिन में 5 हजार से अधिक किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन

रायपुर । खेती-किसानी को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में राजनांदगांव जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक ही दिन में 5 हजार से अधिक किसानों का फार्मर लैंड आईडी (एग्रीस्टेक) पंजीयन एवं सत्यापन कराया गया। अभियान का उद्देश्य किसानों के भूमि रिकॉर्ड को अद्यतन कर आगामी धान खरीदी, डिजिटल गिरदावरी और विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान कृषि, राजस्व और पंचायत विभाग ने समन्वित रूप से कार्य किया। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, ग्राम सचिव तथा अन्य मैदानी अमले ने किसानों से संपर्क कर उन्हें निकटतम सेवा सहकारी समिति, लोक सेवा केंद्र और चॉइस सेंटर तक पहुंचाया। यहां किसानों की फार्मर लैंड आईडी में छूटे हुए खसरे, भूमि के रकबे तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन और सुधार किया गया।

सरेखा में आबादी पट्टों को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बालोद । गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम पंचायत सरेंखा में आबादी पट्टों के वितरण को लेकर विवाद गहरा गया है। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व सरपंच नीतू हेमंत साहू पर अवैधानिक तरीके से आबादी पट्टे वितरित करने का आरोप लगाया है। साथ ही ऐसे सभी पट्टों की जांच कर उन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सरपंच नीतू हेमंत साहू ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों को विश्वास में लिए बिना अपने चहेते लोगों को आबादी पट्टे जारी कर दिए। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में ग्राम भोइनापार निवासी योगेश्वर साहू एवं निजानंद साहू द्वारा संबंधित भूमि पर मकान निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण

कार्य जारी रहा और किसी प्रकार की विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूर्व सरपंच के कार्यकाल में जारी सभी आबादी पट्टों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें निरस्त किया जाए तथा पात्र गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को नियमों के अनुसार पुनः पट्टे वितरित किए जाएं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कई ऐसे लोगों को पट्टे दिए गए हैं जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, सरकारी नौकरी में हैं अथवा पहले से पक्के मकानों के मालिक हैं, जबकि गांव के कई गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार आज भी आबादी पट्टे से वंचित हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन को 15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित समय में जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे गुण्डरदेहीङ्कबालोदङ्कदल्लीराजहरा मुख्य मार्ग पर ग्राम सीकोसा के पास धरना-प्रदर्शन एवं चक्का जाम करेंगे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बालोद रेलवे स्टेशन का हुआ कायाकल्प

बालोद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से पुनर्विकसित किए गए इस अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन का भव्य लोकार्पण किया। इस योजना के अंतर्गत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया गया है। लोकार्पण के अवसर पर बालोद रेलवे स्टेशन परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनने के लिए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद भोजराज नाग सहित नगर पालिका बालोद की अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन, गणमान्य नागरिक चेमन देशमुख सहित

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक और बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, रेलवे के अधिकारी आदि मौजूद थे। अमृत भारत मिशन के तहत बालोद स्टेशन को न केवल एक नया और आकर्षक लुक दिया गया है, बल्कि यहाँ यात्रियों के सफर को सुगम बनाने के लिए आधुनिक वेटिंग हॉल, बेहतर पेयजल व्यवस्था, आधुनिक साइनेज और दिव्यांग अनुकूल सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और आम जनता उपस्थित रही, जिन्होंने रेलवे स्टेशन के इस बदलते और आधुनिक स्वरूप की सराहना की।

विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक एकजुट हों तो कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहेगा : अधि. सतीश कुमार पाण्डेय

डोंगरगांव । पीएम स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल, डोंगरगांव में नवगठित शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) की प्रथम मासिक बैठक गुरुवार को नवनियुक्त अध्यक्ष एवं नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता अधि. सतीश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। विद्यालय के प्राचार्य बी.एल. देवांगन के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं विद्यालयीन स्टॉफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। बैठक का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पांजलि एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अधि. सतीश कुमार पाण्डेय उपाध्यक्ष

मती रंजू रत्नाकर तथा समिति के समस्त सदस्यों का औपचारिक परिचय कराया गया।

अपने प्रथम अध्यय उद्बोधन में अधि. सतीश कुमार पाण्डेय ने कहा कि- शाला प्रबंधन समिति का अध्यक्ष होना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सामाजिक एवं नैतिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय की वास्तविक सफलता बैठकों की संख्या से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुदृढ़ संस्कारों से मापी जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है, जब शिक्षक, अभिभावक और शाला प्रबंधन समिति परस्पर विश्वास, संवाद और सहभागिता के साथ कार्य करें। यदि ये तीनों एक परिवार की तरह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, तो कोई भी बच्चा शिक्षा और अवसरों से वंचित नहीं रहेगा।

अध्यक्ष अधि. सतीश कुमार पाण्डेय ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे केवल परीक्षा परिणाम के समय विद्यालय न आएँ, बल्कि बच्चों की नियमित पढ़ाई, व्यवहार, अनुशासन और सर्वांगीण विकास में निरंतर सहभागी बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी एसएमसी बैठकें केवल औपचारिक बैठकें नहीं होंगी, बल्कि उनमें लिए गए निर्णयों की समीक्षा, प्रगति का मूल्यांकन तथा आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, स्वच्छता, नैतिक शिक्षा, अनुशासन तथा अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता वाले बच्चों पर विशेष प्राथमिकता से कार्य करने की बात भी उन्होंने कही।

बैठक के दौरान विद्यार्थियों एवं विद्यालय हित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, जिन पर विचार-विमर्श के उपरांत आवश्यक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए तथा उनके समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया।

बिलासपुर पुलिस की बड़ी पहल, यातायात नियमों से जुड़े कड़े दिशा-निर्देश जारी

रायपुर। बिलासपुर जिले में छात्र सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और शैक्षणिक परिसरों को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बड़ी पहल की है। इस सिलसिले में शहर के चेतना भवन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों के प्रबंधकों को सुरक्षा और यातायात नियमों से जुड़े कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। छात्रों की सुरक्षा और सड़क सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सड़क पर आते-जाते समय छात्रों को सुरक्षित रखने के लिए यातायात संकेतों का पालन करना, सड़क पार करते समय ज़ेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करना और हमेशा हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करना अनिवार्य है। बैठक में यह बात प्रमुखता से दोहराई गई कि विद्यार्थियों की

सुरक्षा और उन्हें एक सुरक्षित माहौल देना पुलिस और प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक को संबोधित करते हुए बिलासपुर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री रामगोपाल करियारे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) की गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि छात्रों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा आयोजित इस विशेष बैठक में शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को नए कानूनी प्रावधानों, भारी जुर्माने, ट्रैफिक नियमों और सुरक्षित यातायात से जुड़े तमाम अहम पहलुओं की गहन जानकारी दी गई। यातायात नियमों के तहत लाल बत्ती पर रुकें, पीली पर धीमे हों, और हरी बत्ती होने पर ही सुरक्षित रूप से आगे बढ़ें। सड़क पार करने से पहले हमेशा दाएं, बाएं, और फिर दाएं देखें। हमेशा ज़ेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करें।

नेवारी स्कूल में 110 किशोरी बालिकाओं ने लिया स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का लाभ

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक रावण सीएसआर द्वारा मानव संसाधन प्रमुख करन मिस्त्री एवं प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा के मार्गदर्शन में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, नेवारी में किशोरी बालिका स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 110 छात्राओं ने भाग लिया। उपस्वास्थ्य केंद्र नेवारी की सीएचओ सीमा कंवर ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन, संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम, व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जानकारी दी। वहीं आरएचओ विजय साहू ने सेनेटरी पैड के सही उपयोग, समय-समय पर

बदलाव, स्वच्छता एवं आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान छात्राओं को सेनेटरी पैड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यालय की शिक्षिकाएं सारिका सोम, जय लक्ष्मी धगेश, ममता शर्मा एवं यामिनी वर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति, रंजय पाण्डेय तथा सीएसआर टीम के सुरेन्द्र यादव, हेमलता ध्रुव, सुनीता निषाद, गुमान साहू एवं साहिल बांधे का विशेष योगदान रहा।

ग्रामीणों के विरोध को दरकिनार करना पड़ा भारीः उद्घाटन से पहले ही ढह गई बोदल तालाब की पचरी

बालोद । जिले के गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम बोदल में भ्रष्टाचार और तकनीकी लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत तालाब में बनाई गई पचरी पहली ही बारिश की मार झेल नहीं पाई और ताश के पत्तों की तरह बड़ी दरारें दो भाग में बटा चौंकाने वाली बात यह है कि इस नवनिर्मित पचरी का अभी तक आधिकारिक उद्घाटन भी नहीं हो पाया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इंजीनियर की मनमानी और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के कारण यह सरकारी पैसा पानी में बह गया। ग्रामीणों ने दी थी चेतावनी, इंजीनियर ने की अनदेखी ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, जब तालाब में पचरी का निर्माण किया जाना

था तो ग्रामीणों ने उस जगह पचरी बनाने से बार बार मना किया लेकिन इंजीनियर ने ग्रामीणों की एक बात तक नहीं सुनी जिसके फलस्वरूप ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है पहली बारिश ने खोली विकास कार्यों की पोल मानसून की पहली ही झमाझम बारिश ने पंचायत और तकनीकी विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी है। पचरी के टूटने से न केवल शासकीय धन का दुरुपयोग हुआ है, बल्कि ग्रामीणों को अब तालाब का उपयोग करने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि बार-बार शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान क्यों नहीं दिया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि मनरेगा के तहत काम किए मजदूरों को एक माह से भी अधिक समय हो गया है लेकिन अभी तक मजदूरों के खातों में दो हफ्तों से भी अधिक का पैसा रुका हुआ है लेकिन इंजीनियर की मनमानी यहां खतम नहीं होती, मजदूरों के दो हफ्तों का पैसा काटकर देती हैं और बोलती हैं आपका काम ठीक नहीं था तो पैसा काटा गया है आखरि इसके जिम्मेदार कौन ग्राम पंचायत सरपंच चित्रलेखा अविनाश गंजीर ने बताया पचरी निर्माण में बड़ी दरारें कैसे हुआ हम नहीं बता सकते परंतु तोड़कर सुधार कार्य किया जाएगा इंजीनियर श्रीमती अर्चना साहू ने बताया ग्राम पंचायत सरपंच को निर्देशित किया गया पुनः तोड़कर रिपेयरिंग एवं सुधार कार्य किया जाएगा प्रतिज्ञा चंद्राकर अधिकारी ने कहा जिस जगह पर पचरी का निर्माण हुआ है उसे जगह पर झाड़ था वृक्ष को काटने के बाद जड़ रह गया था जिसके कारण दरारें पड़ी है अभी उसे जगह को तोड़कर रिपेयरिंग कार्य किया जाएगा।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

जगदलपुर । नगर निगम जगदलपुर ने शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के अभियान के तहत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए संजय मार्केट क्षेत्र में एक फेरी वाहन से भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की। कार्रवाई के दौरान विक्रेता पर ?10 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया।

नगर निगम की टीम ने संजय मार्केट में निरीक्षण के दौरान फेरी वाहन क्रमांक ब्ळ 17 भ् 3117 में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का विक्रय करते हुए जगदलपुर निवासी महाँगी लाल जैन को पकड़ा। स्वच्छता निरीक्षक अजय बानिक एवं शेखर भारती की मौजूदगी में वाहन से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित विक्रेता पर ?10, हजार का जुर्माना लगाया गया तथा पूरी सामग्री निगम के कब्जे में ले ली गई। नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण, परिवहन, विक्रय और उपयोग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति या प्रतिष्ठान के विरुद्ध बिना किसी पूर्व सूचना के नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने शहरवासियों, व्यापारियों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग और विक्रय पूरी तरह बंद करने की अपील की है।

रेत खदान पासीद की लॉटरी प्रक्रिया 24 जुलाई को

महासमुंद । छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 के अंतर्गत खनिज शाखा महासमुंद द्वारा एमएसटीसी पोर्टल पर महासमुंद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पासीद स्थित महानदी के खसरा क्रमांक-01 का भाग, रकबा 4.80 हेक्टेयर की रेत खदान के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया 17 जून 2026 को आयोजित की गई थी। उक्त रेत खदान के लिए प्रस्तावित लॉटरी प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों से संपन्न नहीं हो सकी थी। अब इस रेत खदान के लिए निविदा में भाग लेने वाले सभी संबंधित बोलीदाताओं को सूचित किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के माध्यम से लॉटरी के द्वारा अधिमानी बोलीदाता की चयन प्रक्रिया 24 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे संपन्न की जाएगी। खनिज शाखा ने सभी पात्र एवं संबंधित बोलीदाताओं से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा है।

सूरजपुर में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह, पॉक्सो और साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

सूरजपुर । जिला कलेक्टर रेना जमील के निर्देश और जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों और महाविद्यालयों में बालिका शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता विषयों पर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह करना, कराना या उसमें सहयोग करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में दो वर्ष तक की जेल और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने अभिभावकों से बालिकाओं की शिक्षा पूरी होने के बाद ही विवाह करने की अपील की।

जायसवाल ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 की जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों के साथ छेड़छाड़, अनुचित स्पर्श, अश्लील हरकत, पीछा करना या अश्लील सामग्री दिखाना गंभीर एवं गैर-जमानती अपराध हैं। उन्होंने छात्राओं से किसी भी अप्रिय घटना की तुरंत जानकारी परिजनों या शिक्षकों को देने का आग्रह किया। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के लिए सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम के तहत अंधविश्वास फैलाने और प्रताड़ित करने को कानूनन अपराध बताते हुए वैज्ञानिक सोच अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई और नाबालिगों को बिना लाइसेंस वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में दुर्गम बैगा अंचल तक पहुँची विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता लगातार धरातल पर दिखाई दे रही है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातीय बैगा समुदाय तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड गौरेला के दुर्गम बैगा आदिवासी बाहुल्य ग्राम छिरहिट्टी (साल्हेघोरी) में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा निःशुल्क उपचार, परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। इससे दूरस्थ क्षेत्र के लोगों को अपने गांव में ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में कुल 164 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। मौसमी बीमारियों की रोकथाम, समय पर रोगों की पहचान तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

मालीघोरी में भक्ति और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, नगरवासियों ने किया भव्य स्वागत

बालोद । कुकुर देऊर मंदिर खपरी मालीघोरी से निकाल कर बाजार चौक मालीघोरी होते हुए दुधली गली भ्रमण कर खपरी में भगवान महाप्रभु जगन्नाथ, भगवान बलराम एवं माता सुभद्रा की रथयात्रा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ संपन्न हुई। कुकुर देऊर मंदिर खपरी मालीघोरी में पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान जगन्नाथ, भगवान बलराम एवं माता सुभद्रा को रथ पर विराजमान कर बाजार चौक मालीघोरी, दुधली बस्ती एवं खपरी में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा जय जगन्नाथ के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, श्रद्धालुओं ने भगवान से सभी के सुख, शांति और समृद्ध जीवन की मंगलकामना की।

प्रतिबंधित कृषि उत्पादों की बिक्री पर होगी कड़ी कार्रवाई, किसान खरीद से पहले करें जांचः शिवशंकर सिंह

रायपुर । भारतीय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फॉरवर्ड डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने किसानों और कृषि आदान विक्रेताओं से अपील की है कि वे किसी भी कृषि उत्पाद का उपयोग या बिक्री करने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच अवश्य करें। उन्होंने कहा कि जिन कृषि उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनका उपयोग करने से किसानों की फसल को गंभीर नुकसान हो सकता है। शिवशंकर सिंह ने कहा कि बाजार में कुछ कंपनियों द्वारा ऐसे कृषि उत्पाद बेचे जाने की शिकायतें मिल रही हैं, जिनकी वैध अनुमति, अनुज्ञप्ति अथवा आवश्यक स्वीकृतियों को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि बिना जांच-पड़ताल, बिना पक्के बिल और बिना उत्पाद की जानकारी प्राप्त किए किसी भी कृषि उत्पाद की खरीद न करें।

उन्होंने कृषि आदान विक्रेताओं को भी चेतावनी देते हुए कहा कि बिना वैध अनुमति और अनुज्ञप्ति वाले कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री से बचें। नियमों का उल्लंघन करते हुए ऐसे उत्पाद बेचने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जा सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता और जिम्मेदार व्यक्तियों की होगी। शिवशंकर सिंह ने किसानों को सलाह दी कि किसी भी उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवारनाशी या अन्य कृषि उत्पाद की खरीद करते समय पक्का बिल।

कोरबा में आवारा कुत्तों का आतंक, हमले में मासूम की मौत; निगम ने पकड़े 15 कुत्ते

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आवारा कुत्तों के हमले में एक मासूम की मौत से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। रथयात्रा पर्व की शाम दादर खुर्द क्षेत्र में आवारा कुत्तों ने बच्चे पर हमला कर दिया, जिससे उसकी गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, दादर खुर्द निवासी किशोर पटेल के पुत्र पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे के शरीर पर कई जगह गहरे जख्म कर दिए। गंभीर हालत में उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कोरबा शहर के कई इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ये कुत्ते राहगीरों का पीछा करने के साथ ही कई बार हमला कर देते हैं। इसके कारण लोगों को चोट लगने, वाहन दुर्घटनाओं और रेबीज संक्रमण का खतरा बना रहता है।

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान चलाकर दादर खुर्द क्षेत्र से 15 से अधिक आवारा कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। निगम ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की बात कही है।

नगर निगम महापौर संजू देवी राजपूत और आयुक्त आशुतोष पांडेय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। निगम आयुक्त ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए परिवार को मानवीय आधार पर एक लाख रुपये की अनुग्रह सहायता देने की जानकारी दी।

घटना के बाद शहर में आवारा कुत्तों की रोकथाम को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों ने निगम से नियमित अभियान चलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने, नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं अपराधों की रोकथाम को दी जाएगी सर्वोच्च प्राथमिकता

बालोद । पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित मीटिंग हॉल में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) द्वारा जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों के साथ परिचयात्मक बैठक एवं प्रेस वार्ता आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनसे परिचय प्राप्त किया तथा पुलिस एवं मीडिया के बीच बेहतर समन्वय, पारदर्शी संवाद एवं जनहित से जुड़े विषयों पर निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि पुलिस एवं मीडिया लोकतंत्र के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। दोनों के बीच बेहतर समन्वय एवं सकारात्मक संवाद से आमजन तक सही, तथ्यपरक एवं समयबद्ध जानकारी पहुंचती है, जिससे समाज में विश्वास एवं पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि बालोद

पुलिस प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ नियमित संवाद बनाए रखते हुए जनहित, कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा, यातायात, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा पुलिस की सकारात्मक गतिविधियों की जानकारी समय पर साझा करेगी। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। पुलिस निष्पक्ष, संवेदनशील एवं जवाबदेह कार्यशैली के साथ कार्य करते हुए आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत करेगी। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि जिले में अवैध नशे एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाया जाएगा। नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों, साइबर अपराधों, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर जागरूक किया जाएगा। उन्होंने अपराधों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इंटेलिजेंस तंत्र को मजबूत एवं सक्रिय करने पर बल दिया। सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण एवं प्रभावी निगरानी के माध्यम से अपराधों की रोकथाम तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रत्येक पुलिस कार्रवाई एवं विवेचना नवीन कानूनों के अनुरूप, वैज्ञानिक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध हो सके।

कटहल के चक्कर में फंसा भालू, घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित रेस्क्यू

जशपुर । जशपुर जिले में कटहल खाने की कोशिश एक जंगली भालू के लिए मुसीबत बन गई। मनोरा वनपरिक्षेत्र के गजमा गांव में कटहल की खुशबू से आकर्षित होकर पेड़ पर चढ़ा भालू तार के फंदे में फंस गया। सूचना मिलते ही वन विभाग और जीएनडब्ल्यूएस की टीम ने मौके पर पहुंचकर कई घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया और आखिरकार भालू को सुरक्षित बचा लिया।

जानकारी के अनुसार, भालू कटहल खाने के लिए पेड़ पर चढ़ा था, लेकिन वहां पहले से लगे तार के फंदे में उलझ गया। काफी देर तक फंसे रहने के कारण वह नीचे नहीं उतर सका। ग्रामीणों ने भालू को फंसा देखा तो तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग और जीएनडब्ल्यूएस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू के दौरान सबसे पहले भालू को बेहोश किया गया, ताकि उसे बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित नीचे उतारा जा सके। टीम ने सावधानीपूर्वक पेड़ की टहनी से भालू को नीचे उतारा और उसे चिकित्सकीय निगरानी में लिया।

रेस्क्यू के बाद पशु चिकित्सकों ने भालू का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच में उसकी स्थिति सामान्य पाई गई। इसके बाद उसे सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास यानी जंगल में छोड़ दिया गया।

रेस्क्यू अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए थे। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि जंगली जानवर दिखाई देने पर उनके पास जाने या उन्हें घेरने की कोशिश न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

कुपोषण व एनीमिया मुक्त समाज की दिशा में पहल, छह गांवों की 130 महिलाओं को मिलेगा लाभ

बलौदाबाजार । अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, कुकरदी सीमेंट वर्क्स के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग ने ग्राम ढनढनी में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के स्वास्थ्य और पोषण संवर्धन के लिए पोषण किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इकाई प्रमुख पवन कुलकर्णी के निर्देशन एवं एचआर प्रमुख प्रतीक भटनागर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के तहत 20 महिलाओं को पौष्टिक खाद्य सामग्री युक्त पोषण किट वितरित की गई। सीएसआर के तहत छह गांवों की कुल 130 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। पोषण किट में चना, सोयाबीन, गुड़, मूंगफली और खजूर जैसी पौष्टिक सामग्री शामिल रही। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, कुपोषण और एनीमिया की रोकथाम तथा महिलाओं को संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना था। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला मिशन समन्वयक प्रीति नवरत्न एवं वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ नम्रता साहू ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण, महिला अधिकार,

घरेलू हिंसा से संरक्षण तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच और संतुलित आहार अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में सरपंच बृहस्पति ध्रुव, उपसरपंच भूपेंद्र साहू, सरपंच प्रतिनिधि रजित ध्रुव, पंच लोकनाथ वर्मा, ईश्वरी मानिकपुरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीमा बाधेकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। सीएसआर प्रमुख राजेंद्र कुशवाहा ने कहा कि स्वस्थ माता ही स्वस्थ परिवार और समाज की आधारशिला होती है तथा कंपनी भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े जनहितकारी कार्यक्रम संचालित करती रहेगी। कार्यक्रम के सफल संचालन में सीएसआर टीम, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों का सहयोग रहा।

हमारे परिवार सशक्त ही नहीं, एकजुट और संवेदनशील भी हों

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान उसकी मजबूत परिवार-व्यवस्था रही है। समय बदलने के साथ जीवनशैली, आवश्यकताएं और सोच में बदलाव आया है, लेकिन परिवार का महत्व आज भी उतना ही है। आधुनिक समय में अक्सर परिवार की मजबूती का आकलन आर्थिक स्थिति, आलीशान मकान, महंगी गाड़ियों और सुविधाओं से किया जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिवार केवल भौतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, संवेदनशीलता और आपसी एकता से सशक्त बनता है।

एक सामान्य घर में बैठक कक्ष, शयन कक्ष, रसोई घर और पूजा घर होते हैं। इन चारों स्थानों का अपना अलग महत्व है और यदि इनके भाव को समझ लिया जाए तो परिवार का वातावरण सुखद और संतुलित बन सकता है।

बैठक कक्ष घर का चेहरा होता है। यहां मेहमान आते हैं और परिवार की पहली छवि बनती है। इसलिए इसे केवल सुंदर बनाने के साथ-साथ यहां सकारात्मक व्यवहार और मधुर वाणी का भी वातावरण होना चाहिए। यह स्थान हमें सिखाता है कि बुद्धिमानी, शिष्टाचार और सम्मानपूर्ण व्यवहार परिवार की पहचान बनते हैं।

शयन कक्ष विश्राम का स्थान होने के साथ दाम्पत्य जीवन का भी केंद्र होता है। यहां मन और इंद्रियों पर संयम आवश्यक है। पति-पत्नी के बीच विश्वास, संवाद और सम्मान जितना मजबूत होगा, परिवार उतना ही स्थिर और खुशहाल रहेगा। छोटी-छोटी बातों को विवाद का कारण बनाने के बजाय समझदारी से समाधान निकालना ही रिश्तों की मजबूती का आधार है।

रसोई घर को घर का हृदय कहा गया है। यहां केवल भोजन नहीं बनता, बल्कि पूरे परिवार के स्वास्थ्य, प्रेम और अपनत्व की नींव तैयार होती है। प्रेम से बनाया गया भोजन परिवार के सदस्यों के बीच आत्मीयता बढ़ाता है। साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा रिश्तों को और मजबूत बनाती है।

पूजा घर परिवार की आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। यहां मन को शांत, निर्मल और सकारात्मक बनाने का अवसर मिलता है। नियमित प्रार्थना, ध्यान और ईश्वर का स्मरण परिवार में धैर्य, सहनशीलता और सद्भाव का संचार करता है। जब मन शांत होता है, तब निर्णय भी संतुलित होते हैं और रिश्तों में मधुरता बनी रहती है।

यदि परिवार इन चारों स्थानों के वास्तविक महत्व को समझकर जीवन में अपनाए, तो केवल आर्थिक रूप से नहीं बल्कि भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध बन सकता है। सच्चा सशक्त परिवार वही है, जहां प्रेम हो, संवाद हो, संवेदनशीलता हो और हर सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बने। ऐसे परिवार ही समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बनते हैं।

चीजों को फेंकने से पहले खुद से पूछें कि वे क्या कहानी संजोए हैं

जुलाई 1969 में जब इंसान ने पहली बार चांद पर कदम रखा तो पूरी दुनिया ने हैरत के साथ यह पल देखा था। नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन चांद की सतह पर उतरे। लेकिन इतिहास जहां इस मूनवॉक को सेलिब्रेट करता है, वहीं बहुत कम लोग इसके बाद आए जीवन-मरण के एक संकट के बारे में जानते हैं। जब दोनों अंतरिक्ष यात्री लूनर मॉड्यूल में लौटे और कुछ देर सोने की सोच रहे थे तो एल्ड्रिन ने कुछ ऐसा देखा, जिसने दोनों की नींद उड़ा दी। केबिन के फर्श पर एक छोटा-सा काला सर्किट-ब्रेकर स्विच पड़ा था।

दोनों में से किसी को नहीं पता था कि वह किसकी गलती से टूटा। वही छोटा-सा स्विच इंजन को नियंत्रित करता था, जो लूनर मॉड्यूल को चांद से उड़ा सकता था। उसके बिना पृथ्वी पर नहीं लौट सकते थे। इसमें समय गंवाने के बजाय कि गलती किससे हुई, उन्होंने तुरंत ह्यूस्टन स्थित मिशन कंट्रोल को सूचना दी और मदद मांगी। इस बेहद तनाव भरी रात में सोना नामुमकिन था। दोनों लगातार समाधान ढूंढ रहे थे।

अगली सुबह मिशन कंट्रोल ने दो-टूक कह दिया कि वे मदद नहीं कर सकते। तब एल्ड्रिन ने लूनर मॉड्यूल में ऐसी किसी चीज की तलाश शुरू की, जो टूटे सर्किट-ब्रेकर के पीछे लगे पॉइंटर की सही जगह पर लग सके, और इलेक्ट्रिक करंट पास हो सके। चूंकि यह एक इलेक्ट्रिक सर्किट था, इसलिए उन्होंने उंगली या धातु की नोक वाली कोई चीज इस्तेमाल करने की जुर्रत नहीं की। तभी एल्ड्रिन को एक फेल्ट-टिप पेन याद आया, जिसे उन्होंने अपने 'पर्सनल प्रेफरेंस किट' में रखा था।

हर अंतरिक्ष यात्री निजी वस्तुओं का यह छोटा-सा कलेक्शन ले जा सकता था। उन्होंने बहुत सावधानी से पेन की प्लास्टिक की नोक को उस सर्किट-ब्रेकर के टूटे स्विच के पीछे पॉइंटर पर दबाया। बाद में अपनी ऑटोबायोग्राफी में एल्ड्रिन ने लिखा, 'मैंने बेहद सावधानी से पेन को इंजन-आर्म सर्किट-ब्रेकर पर दबाया। धीरे-धीरे हाथ का दबाव कम किया और पेन की नोक हटाई। आखिरकार पेन ने काम कर दिया।' सर्किट-ब्रेकर अपनी जगह पर रुक गया था। इंजन चालू हो गया। अपोलो-11 उड़ान भर कर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर ले आया।

मैं आज 1969 की इस घटना को क्यों याद कर रहा हूं? क्योंकि इसी सप्ताह न्यूयॉर्क में उस पेन की नीलामी 8.50 लाख डॉलर यानी 8.18 करोड़ रुपए से अधिक कीमत पर हुई। वह पेन उसकी स्याही के कारण कीमती नहीं था। वह इसलिए अनमोल बन गया क्योंकि एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण में उसने वह कर दिखाया, जिसकी उससे उम्मीद नहीं थी।

इस सप्ताह जब मैं अपना पुराना सूटकेस साफ कर रहा था तो मुझे यह कहानी याद आई। फीके पड़ चुके कागजों और भूली-बिसरी चीजों के नीचे दर्जनों साधारण वस्तुएं मिलीं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी असाधारण यादें थीं। उनमें से कोई भी नीलामी में बड़ी कीमत नहीं पा सकती, लेकिन हर चीज मुझे किसी व्यक्ति, संघर्ष, सेलिब्रेशन या जीवन के टर्निंग पॉइंट की याद दिला रही थी। मुझे महसूस हुआ कि हर परिवार की अपनी एक 'फेल्ट-टिप पेन' स्टोरी होती है।

वह ग्रैंडफादर की पुरानी छड़ी हो सकती है, जिसकी मदद से उन्होंने गिरती सेहत के बावजूद रोजमर्रा की चहलकदमी जारी रखी। परिवार के पहले इंजीनियर की नोटबुक हो सकती है। सिलाई मशीन हो सकती है, जिसकी सहायता से तीन पीढ़ियां पढ़ पाईं। जंग लगा टूलबॉक्स हो सकता है, जिसने किसी की आजीविका बनाई। या कोई प्रेशर कुकर, जिसने तंगी के वर्षों में परिवार का पेट भरा। इन चीजों की बाजार-कीमत भले ही बहुत कम हो, लेकिन भावनात्मक मूल्य अनमोल होता है। ये दृढ़ता, त्याग, सूझबूझ और उम्मीद की मौन गवाह होती हैं।

हमारे बच्चे शायद हमारे घर, निवेश और ज्वेलरी विरासत में पाएंगे, लेकिन परिवार की पहचान बनाने वाली चीजें अकसर यही साधारण वस्तुएं होती हैं। इनकी असली कीमत उनकी निर्माण सामग्री से नहीं, बल्कि उन कहानियों से होती है जिन्हें वे सहेजकर रखती हैं। ये साधारण-सी यादगार चीजें भावी पीढ़ियों को याद दिला सकती हैं कि सामान्य टूल्स, असाधारण समझ और हार न मानने के जज्बे से भी बड़ी चुनौतियों पर जीत हासिल की जा सकती है।

फंडा यह है कि डी-क्लटरिंग के नाम पर साधारण चीजों को फेंकने से पहले ठहरकर खुद से पूछें कि 'यह चीज कौन-सी कहानी संजोए है?' हो सकता है कि आपके हाथ में कोई ऐसी पारिवारिक धरोहर हो, जिसकी असाधारण कीमत उसका बाजार मूल्य नहीं, बल्कि उससे मिलने वाली प्रेरणा हो।

'डिजाइनर बेबीज़' का विचार कई अहम सवाल खड़े करता है

'डिजाइनर बेबीज़' का विचार अब टेक्नोलॉजी की मदद से हकीकत बनता जा रहा है। ये ऐसे जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चे हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद की शारीरिक बनावट और बौद्धिक विशेषताओं के अनुरूप तैयार करवा सकते हैं। यह सम्भावना अनेक गम्भीर सामाजिक और नैतिक सवाल खड़े करती है।

जीन-एडिटिंग की बड़ी सफलताएं हाल ही की घटनाएं नहीं हैं। इस क्षेत्र का परिदृश्य 2000 के दशक और विशेष रूप से 2010 के शुरुआती वर्षों में विकसित हुई क्रिस्पर-कैस9 तकनीक के साथ ही बुनियादी रूप से बदल गया था। यह अत्यधिक सटीकता के साथ जेनेटिक-इंजीनियरिंग को सम्भव बनाती है। इसमें एक गाइड-आरएनए किसी प्राणी के जीनोम में विशिष्ट अनुक्रम की पहचान करता है, जहां कैस9 एंजाइम किसी जीन में संशोधन करने का काम करता है।

इस तकनीक के उपयोग की सम्भावनाएं व्यापक हैं। इसका इस्तेमाल रोग उत्पन्न करने वाले जीन को निष्क्रिय करने, बीजों और कृषि उत्पादों में संशोधन करने या जरूरत के अनुसार दवाओं और टीकों के विकास में किया जा सकता है। इसमें सिकल-सेल एनीमिया जैसी बीमारियों के साथ-साथ कैंसर जैसे रोगों से जुड़े म्यूटेशंस से निपटने की भी क्षमता है।

यह तकनीक भ्रूण अवस्था में- चाहे वह इन-विवो हो या इन-विट्रो- जीन जोड़ने या हटाने की सम्भावना भी पैदा करती है और यहीं से 'डिजाइनर बेबीज़' का सवाल सामने आता है। सवाल है कि मनुष्यों में जेनेटिक-इंजीनियरिंग का प्रयोग किसी व्यक्ति तक सीमित रहता है या इसकी मदद से ऐसे परिवर्तन भी किए जाएंगे, जो अगली पीढ़ियों तक विरासत के रूप में पहुंचते हों।

एआई विशाल मात्रा में उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर ऐसे जीन-कॉम्बिनेशंस की पहचान कर सकता है, जो केवल रोग की संभावना ही नहीं, बल्कि शारीरिक बनावट, दमखम और संज्ञानात्मक क्षमता के विभिन्न आयामों को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन यह संभावना स्पष्ट नैतिक प्रश्न भी खड़े करती है।

एल्डस हक्सले के उपन्यास 'ब्रेव न्यू वर्ल्ड' की तरह ये 'डिजाइनर बेबी' हमें ऐसे परिदृश्य के करीब ले जा सकते हैं, जहां जेनेटिक्स के आधार पर समाज में विभाजन हो जाए और केवल सम्पन्न लोगों के पास ही अपनी तथा अपनी आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता, शारीरिक प्रदर्शन और उम्र को बेहतर बनाने के साधन उपलब्ध हों। ऐसी स्थिति में आज जिनके पास पैसा है, वे हर पीढ़ी के साथ और अधिक समृद्ध तथा जेनेटिक रूप से अधिक सक्षम बनते जा सकते हैं।

पॉलीजेनिक स्क्रीनिंग पर आधारित भ्रूण-चयन सेवाएं पहले ही आईवीएफ (इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन) कराने वाले मरीजों को व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। एआई में हुई प्रगति ने उन्हें उन लोगों के लिए और आकर्षक बना दिया है, जो इनका खर्च उठा सकते हैं।

यदि यह ट्रेंड जारी रहा तो भविष्य में अरबपतियों का ऐसा वर्ग उभर सकता है, जो अपने आर्थिक-विशेषाधिकारों को बायोलॉजिकल-बढ़त में बदलने के लिए कमर कस चुके हों। यह तब हो सकता है, जब बड़ी संख्या में अन्य लोग एआई के कारण रोजगार छिनने की आशंका का सामना कर रहे हों।

ऐसी सम्भावनाओं को रोकने के लिए अधिकांश लोगों की पहली प्रतिक्रिया जर्मलाइन-एडिटिंग और 'डिजाइनर बेबीज़' पर पाबंदी लगाने की होती है। लेकिन शायद यह सही समाधान न हो। आखिर हम पहले ही वैक्सीनों और ऑपरेशनों के जरिए अपने शरीर और अपने बच्चों को एक तरह से 'डिजाइन' करते ही हैं।

विकसित देशों में अब पैरेंट्स बनने जा रहे जोड़े भ्रूण में डाउन सिंड्रोम जैसी बीमारियों की जांच कराते हैं और आवश्यकता पड़ने पर गर्भावस्था समाप्त करने का विकल्प चुनते हैं। इन हस्तक्षेपों और जीनोम-एडिटिंग के बीच की रेखा उतनी स्पष्ट नहीं है, जितनी दिखाई देती है। यदि बच्चों में चेचक के विरुद्ध प्राकृतिक इम्युनिटी विकसित करने के लिए जीन-एडिटिंग की जाए, तो क्या वह उन्हें वैक्सीन लगाने से अलग होगा?

बात केवल प्रकृति में हस्तक्षेप करने की ही नहीं है। इससे जुड़े दो और महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहला, जर्मलाइन-एडिटिंग के दूरगामी प्रभावों को अभी पूरी तरह समझा नहीं जा सका है। जीवित प्राणी लगातार विभिन्न रोगाणुओं के आक्रमण का सामना करते रहते हैं और कुछ जेनेटिक-बदलाव ऐसी अप्रत्याशित समस्याएं पैदा कर सकते हैं, जिनका अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

रामायण में कर्म की तुलना की गई है यमुना से और कैकेईजी भी क्रिया हैं। यमुना का संदर्भ भगवान कृष्ण के चरित्र से जुड़ा हुआ है। यमुना के लिए कहा जाता है कि ये यमराज की बहन हैं। बड़े पते की बात है कि यमराज की बहन यमुना है। अगर आध्यात्मिक अर्थों में विचार करके देखें तो इसका अभिप्राय है कि कर्म (क्रिया) को देखकर व्यक्ति को दंड या पुरस्कार देना, यही तो यमराज का कार्य है। इसलिए यमराज की भगिनी क्रिया रूपा यमुना हैं। और उनके पिता हैं सूर्य। सूर्य विचार और ज्ञान का प्रतीक है। इसका अभिप्राय है कि जिस कर्म के मूल में ज्ञान हो, विचार हो वह कर्म मनुष्य के पापों को नष्ट कर देता है। यमुना धन्य है जो सूर्य से जन्म लेकर मृत्यु लोक में पापों को नष्ट करती हुई तीर्थराज प्रयाग में आकर गंगा से मिल जाती हैं। और इन्हीं यमुना के तट पर अवतरित होकर भगवान स्वयं बिहार करते हैं। भगवान श्यामसुंदर को तो यमुना अत्यंत प्रिय हैं तथा रामायण के संदर्भ में भी यदि विचार करके देखें तो कैकेई क्रियामयी हैं और क्रिया के रूप में अगर यमुना से उनकी तुलना करें तो जैसे यमुना के तट पर भगवान विहार करते हैं इसी तरह से कैकेईजी के यहां तो श्रीराम निरंतर रहते हैं। लेकिन इतना होते हुए भी यमुना में एक कमी है और उसी कमी को दूर करने के बाद यमुना पूरी तरह से धन्य हो पाई। यमुना में जो कालियनाग का दोष था उसे भगवान ने दूर किया। कैकेईजी के चरित्र में अनेक सद्गुण होते हुए भी यह अहंकार का कालिय नाग छिपा हुआ था। पर अंतर इतना है कि भगवान तो वन चले गये। और प्रभु ने कहा भरत ! अब इस कालिय को यहां से निकालना तो तुम्हारा ही कार्य है। और सचमुच कैकेई के अंत:करण में जो अहंकार का कालियनाग सो रहा था उसी को मंथरा ने जगाया था। जब सत्कर्म में अहंकार का कालियनाग जग जाता है तो ईश्वर व्यक्ति से दूर चला जाता है। और अंत में भरत जैसे संत की कृपा या भगवान की कृपा से जब वह अहंकार विनष्ट होता है तो क्रिया शुद्ध हो जाती है और वह क्रिया भी रामराज्य की स्थापना में साधिका बनती है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

चीजों के पूरा होने और उनके धीरे-धीरे खुलने में फर्क है

'प्यार' कोई भौतिक चीज नहीं है। इसलिए जब हम 'आधा इश्क' या 'हाफ लव' कहते हैं, तो इसका क्या अर्थ होता है? जब प्यार या इश्क 'आधा' होता है, तो क्या वह पहले पूरा था और फिर आधा हो गया, या वह पूरा होने की राह पर है पर अभी पूरा नहीं हुआ? फिल्म 'बैंड बाजा बारात' (2010) का गाना याद आता है : 'नमकीन सी बात है हर नई सी बात में, तेरी खुशबू चल रही है जो मेरे साथ में, हल्का-हल्का रंग बीते कल का गहरा-गहरा कल हो जाएगा, आधा इश्क आधा है आधा हो जाएगा, कदमों से मीलों का वादा हो जाएगा...।'

कभी-कभी कदमों में एक नई फुर्ती होती है और हवा में उम्मीद-सी महसूस होती है। हो सकता है कोई खास सम्भावना अभी दूर हो, लेकिन उसके बारे में सोचना ही सुखद लगता है। हो सकता है यह प्यार न हो, या शायद किसी तरह से हो भी। यह ऐसा सुखद विचार है, जो छोटे-छोटे कदम उठाने और उन्हें एक खास दिशा में बढ़ते देखने की इच्छा जगाता है। यह खुद को या किसी और को जानने या समझने की बात नहीं है, बल्कि मन-मिजाज में एक ऐसी हल्की-फुल्की खुशी है, जो शायद कल किसी बड़ी चीज की बुनियाद बन जाए। यह प्यार की ओर एक धीमी और सुकून भरी चाल है।

जब प्यार अधूरा लगता है तो किसी पक्के यकीन के बजाय एक सुखद सम्भावना पर टिका होता है। इस गाने का आधुनिक अंदाज इसी बीच के पल को रचने में है- प्यार न करने और प्यार करने के बीच; बेपरवाह या तटस्थ या फिर लेन-देन वाले रिश्ते और पूरी तरह से खुद को सौंप देने की चाहत के बीच। यह एक नई, अनजानी और आकर्षक चीज की ओर धीरे-धीरे बढ़ने का एहसास कराता है- ऐसा आकर्षण, जिसे परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन जो डरावना भी नहीं है।

यह आज का 'आधा प्यार' है; बाकी आधा शायद कल हो। शुरुआत में इसके रंग हल्के थे, लेकिन हो सकता है कल वे और गहरे हो जाएं। एक स्थिति से दूसरी स्थिति तक पहुंचने के लिए क्या चाहिए? यह गाना कमिटमेंट जैसे शब्दों से बचता है। यह रिश्ते या इंसान के बजाय समय पर भरोसा रखने का संकेत देता है।

बेशक, जिस इंसान से प्यार हो सकता है, उससे इतनी उम्मीद तो है कि यह सफर आगे बढ़े और चाहने लायक बने; लेकिन अभी यह कोई पक्का या तय हो चुका मामला नहीं है। वह अनकहा, अनसुना शब्द है- इत्मीनान। धीरे-धीरे। अपने सही समय पर।

इस नजरिए से देखें तो यह गाना प्यार से 'पहले' का है, या प्यार की ओर बढ़ते सफर का। इसमें उम्मीद तो है कि रिश्ता पूरा होगा, लेकिन उसके लिए बेचैनी नहीं है। यह सबूतों नहीं, संभावनाओं पर टिका है। इसलिए, अभी कोई पक्का वादा करना जल्दबाजी होगी, और शायद ऐसा करना अब पुराना भी हो चुका है।

इस पल में जो बात मायने रखती है, वह है एहसास का ताजापन और जोश। कदम भले छोटे हों, पर उनमें हिचकिचाहट नहीं है, और मंजिल भले धुंधली हो, पर सफर बुरा नहीं है। यहां 'आधा' शब्द के इर्द-गिर्द बहुत कुछ बुना गया है- एक ऐसी बात जो ईमानदारी भरी है और जिसमें कोई हड़बड़ी नहीं है।

यह 'आधा' किसी कमी की कहानी नहीं है कि कोई दूसरा आधा हिस्सा खो गया है और इसलिए कुछ अधूरापन है। बल्कि, यह उस हिस्से को दिखाता है, जो अभी मौजूद है, और उसका होना ही इस उम्मीद के लिए काफी है कि आगे चलकर और भी कुछ हो सकता है। यह किसी पूरी चीज का गणितीय आधा हिस्सा नहीं है, बल्कि चीजों के धीरे-धीरे खुलने और आगे बढ़ने को मंजूरी देना है।

वी. शांताराम की 'नवरंग' (1959) में भी दिवाकर ने अपने लिए मोहिनी नाम की एक प्रेमिका (म्यूज़) की कल्पना की है, जो बिल्कुल उनकी पत्नी जमना जैसी दिखती है। मोहिनी में उन्हें वह साथी मिल जाता है, जो जमना नहीं बन पातीं; इस कल्पना के जरिए वे अपनी कविताओं और शारीरिक इच्छाओं, दोनों को पूरा करते हैं।

मोहिनी असल में मौजूद नहीं होकर भी किसी चाहत के पूरे होने का एहसास कराती है; लेकिन गाना उन्हें यह भी याद दिलाता है कि असल जिंदगी में सब कुछ पूरा नहीं होता। इच्छा पूरी होने और अधूरापन महसूस होने के बीच की खींचतान पर आधारित है गाना- 'आधा है चंद्रमा...' यह लेख शब्दों की सीमा पार कर जाए, उससे पहले इसे आधा ही छोड़ दें- शायद फिर भी लुत्फ बरकरार रहे।

जिस इंसान से प्यार हो सकता है, उससे इतनी उम्मीद तो है कि यह सफर आगे बढ़े और चाहने लायक बने; लेकिन अभी यह कोई पक्का या तय हो चुका मामला नहीं है। वह अनकहा, अनसुना शब्द है- इत्मीनान। धीरे-धीरे। सही समय पर।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

फोकस कमाई पर है, समस्या के समाधान पर नहीं

हर संस्था के अपने बहुत खर्चे होते हैं। इसलिए पैसों की जरूरत तो हमेशा रहती है। पैसों की जरूरत रहती है इसलिए पैसे कहां आएंगे और आ सकते हैं, इस पर विचार किया जाता रहता है और उपाय भी किए जाते रहते हैं। रायपुर नगर निगम को भी पैसों की बहुत जरूरत रहती है, इसलिए वह भी निगम के आय बढ़ाने पुराने उपायों पर अमल करती है और नए उपाय सोचती रहती है।इस बार रायपुर नगर निगम ने अवैध नल कनेक्शनों को वैध करके पैसा कमाने को सोचा। इस बार सोचा गया कि निगम क्षेत्र में 90 हजार अवैध कनेक्शन है,उनको वैध किया जाता है तो निगम को अच्छी खासी कमाई हो सकती है।इसके लिए निगम के पहले प्रस्ताव में बताया गया कि किसी का नल कनेक्शन यदि अवैध और वह वैध कराना चाहता है तो वह निगम को 20 हजार रुपए देकर अपना नल कनेक्शन वैध करा सकता है।

निगम ने सोचा था अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का वह लोगों को प्रस्ताव देगी तो 90 हजार अवैध नल कनेक्शन निगम क्षेत्र मे हैं तो अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए लोगों की भीड़ निगम में लग जाएगी और निगम को एक कनेक्शन का 20 हजार रुपए मिलेगा तो हजारों कनेक्शन का तो बहुत पैसा मिलेगा।निगम ने अपने प्रस्ताव में बताया था कि आवासीय अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय समय सीमा के भीतर 5 हजार रुपए नियमितीकरण शुल्क और 15882 रुपए वैध कनेक्शन शुल्क यानी कुल 20882 रुपए लोगों को देना होगा। इसके साथ ही लोगों को आगाह भी किया गया था कि यदि तय समय सीमा के भीतर लोग अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध नहीं कराते हैं तो उनका नल कनेक्शन काटा जाएगा। तय समय सीमा बीत गई है और लगता है कि निगम ने जितनी उम्मीद की थी लोग बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए आएंगे. उससे बहुत कम लोग ही अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने निगम पहुंचे है यानी निगम ने अवैध नल कनेक्शन को वैध करने पर जितनी कमाई होने की उम्मीद की थी, उतनी कमाई तय समय सीमा नहीं हुई है।

निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के पहले प्रस्ताव पर लोगों की भीड़ निगम में नहीं जुटी और अपेक्षित कमाई नहीं हुई तो कमाई के लिए निगम ने अब अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिये दूसरा प्रस्ताव दिया है।दूसरे प्रस्ताव में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय राशि की जगह संबंधित क्षेत्र के अनुसार लागू नए नल कनेक्शन का शुल्क लेने का फैसला किया गया है।यह लगभग 10 हजार रुपए होगा।इसके लिए निगम में 16 जुलाई से 15 अक्टूबर तक आवेदन दिया जा सकता है। यानी निगम ने लोगों को अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए और समय दिया है तथा पहले से कम पैसे में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का एक और मौका दिया है। इससे लगता तो यह है कि निगम चाहता है कि जितने लोगों को अवैध नल कनेक्शन हैं, वह सब वैध करा लें लेकिन हकीकत में निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन के वैध होने पर ही कमाई हो सकती है, इसलिए निगम ने पैसे भी कम कर दिये और समय् भी बहुत दिया है ताकि जो लोग पिछली बार अवैध नल कनेक्शन को वैध नही करा पाएं निगम को कम पैसे देकर करा लें।

ऐसा नहीं है कि निगम ने लोगों को अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का मौका दिया है तो निगम क्षेत्र में अवैध नल कनेक्शन बंद हो जाएंगे। निगम के कुछ ठेकेदार अवैध नल कनेक्शन दिलाना बंद कर देंगे या लोग अवैध नल कनेक्शन लेना बंद कर देंगे। अवैध नल कनेक्शन तो हमेशा होता रहता है और हमेशा होता रहेगा। क्योंकि इससे निगम के कुछ लोगों व ठेकेदारों की कमाई होती है। बताया जाता है कि एक अवैध नल कनेक्शन का 14 से 15 हजार रुपए लिया जाता है।निगम में इस गोरखधंधे को अब तक कोई रोक नहीं पाया यानी महापौर आते जाते हैं लेकिन अवैध नल कनेक्शन का धंधा चलता रहता है। जब किसी महापौर को लगता है कि अवैध कनेक्शन बहुत हो गए है उनको वैध करके कमाई की जा सकती है तो वह कमाई के लिए अवैध नल कनेक्शन को वैध करने का मौका देता है।

महापौर कोई भी हो राजधानी के 20 से ज्यादा वार्डों में पानी की समस्या रहती है।इस समस्या को कोई महापौर हल नहीं कर पाया है।ऐसा भी नहीं है कि निगम क्षेत्र के अवैध नल कनेक्शन वैध हो जाने से शहर वार्डों और टेल एरिया में पानी की समस्या समाप्त हो जाएगी।गर्मी के मौसम में पानी की समस्या तो जिन वार्डों में आज है आगे भी रह सकती है।क्योंकि नलो को नियमितीकरण कमाई के लिये किया जा रहा है।

रायपुर के सरकारी स्कूलों में बनेंगे किचन गार्डन:बच्चों को खाने मिलेंगे ताजे फल-सब्जी, मिड-डे मील होगा और पौष्टिक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शिक्षा विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को शत-प्रतिशत स्कूलों में किचन गार्डन और शाला पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शिक्षा विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को शत-प्रतिशत स्कूलों में किचन गार्डन और शाला पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए।

रायपुर जिले के सभी शासकीय स्कूलों में अब किचन गार्डन बनाए जाएंगे। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने शिक्षा विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को शत-प्रतिशत स्कूलों में किचन गार्डन और शाला पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए। उनका कहना है कि इससे बच्चों को ताजे फल और सब्जियां मिलेंगी, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार होगा।

इस बैठक में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मिड-डे मील), न्योता भोजन और 'प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां' की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्रों में मध्यान्ह भोजन योजना से जुड़े बच्चों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन का लाभ मिल सके।

स्वच्छता मानकों का सख्ती से होगा पालन

उन्होंने स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता, मेन्यू की विविधता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही भोजन बनाने और परोसने के दौरान सभी स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा, ताकि बच्चों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।

कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा

समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं और छात्र हित से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, जिला शिक्षा अधिकारी और शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

रायपुर में स्कूल वाहनों की जांच:35 ऑटो चालकों पर कार्रवाई

रायपुर। रायपुर में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। पुलिस उपायुक्त (यातायात) डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने शहर के विभिन्न स्कूलों के बाहर ई-रिक्शा, ऑटो और वैन की औचक जांच की। इस दौरान क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करते मिले 35 ऑटो चालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई।

अभियान के तहत सेंट जेवियर स्कूल, रेयान इंटरनेशनल स्कूल, होली क्रॉस स्कूल कांपा, बालाजी विद्यामंदिर (देवेंद्र नगर), कृष्णा पब्लिक स्कूल (कमल विहार), होली हार्ट स्कूल (सिविल लाइंस) और प्रणवानंद अकादमी (वीआईपी रोड) के बाहर स्कूली वाहनों की जांच की गई।

रायपुर में नाले पर बने 23 अवैध कब्जे हटाए गए

नगर निगम ने बारिश में जलभराव रोकने की कार्रवाई, सड़क व नई नाली का होगा निर्माण

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने बारिश के दौरान जलभराव की समस्या को देखते हुए जोन-3 के गुरु घासीदास वार्ड क्रमांक-48 स्थित काशीराम नगर गली नंबर-1 में नाले पर किए गए करीब 23 पुराने अवैध कब्जों को हटा दिया। निगम का कहना है कि, इन कब्जों के कारण वर्षों से नाली का प्रवाह बाधित हो रहा था, जिससे गंदे पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी।

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-3 की जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश कुमार साहू, उप अभियंता अक्षय भारद्वाज और श्रुति चतुर्वेदी सहित नगर निवेश विभाग की टीम मौजूद रही।

निगम अधिकारियों के अनुसार, नाले पर बने अवैध कब्जों के कारण सफाई कार्य भी प्रभावित हो रहा था। कब्जे हटाने के बाद अब नाली की सफाई कराई जाएगी ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके और जलभराव की स्थिति न बने।

नगर निगम ने बताया कि कब्जे हटाने के बाद संबंधित स्थल पर जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए नई नाली और सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रायपुर में जलभराव और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। इससे पहले जोन-2 की टीम ने पंडरी स्थित होटल पुनीत और आसपास की दुकानों के सामने नाले पर बने आधा दर्जन से अधिक अवैध पाटों को जेसीबी से तोड़कर हटाया था।

निगम के मुताबिक इन कब्जों के कारण नाले की सफाई बाधित हो रही थी और बारिश में जलभराव की समस्या बढ़ रही थी। कार्रवाई के बाद नाले की सफाई कर जल निकासी सुचारु करने का काम शुरू किया गया।

वहीं, जोन-10 नगर निवेश विभाग ने बोरियाखुर्द नहर रोड पर करीब 5 एकड़ निजी भूमि पर दोबारा शुरू की गई अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई की थी। टीम ने जेसीबी से अवैध मुरम सड़क काटकर प्लाटिंग स्थल तक पहुंचने का रास्ता बंद किया और बनाई गई अवैध नींव भी ध्वस्त कर दी।नगर निगम का कहना है कि शहर में अवैध कब्जों, नालों पर बने पाटों और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

लंबित भुगतान को लेकर ठेकेदारों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन: बोले- आर्थिक संकट से जूझ रहे, 2200 करोड़ बकाया समेत 9 मांगें

रायपुर। लंबित भुगतान और निर्माण विभागों में कथित अनियमितताओं को लेकर छत्तीसगढ़ के ठेकेदारों ने अर्धनग्न प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन के बैनर तले शुक्रवार को प्रदेशभर के ठेकेदार नवा रायपुर में जुटे।

विधानसभा घेराव के लिए निकले ठेकेदारों को पुलिस ने विधानसभा से करीब 200 मीटर पहले ही बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस दौरान ठेकेदारों ने अर्धनग्न प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया।

ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे

प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे ठेकेदार तूता स्थित धरना स्थल पर एकत्र हुए थे। यहां से विधानसभा की ओर कूच शुरू करते ही पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि, लंबित भुगतान नहीं होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। एसोसिएशन की ओर से कई बार ज्ञापन सौंपे गए और जल जीवन मिशन कार्यालय का घेराव भी किया गया, लेकिन अब तक भुगतान की प्रक्रिया में तेजी नहीं आई।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पुलिस बल के जरिए विधानसभा घेराव रोक दिया, लेकिन ठेकेदार अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। उनका कहना है कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा।

बीरेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन समेत कई निर्माण विभागों में भ्रष्टाचार, अफसरशाही और मनमानी का माहौल है।

मंत्री-विधायक और IPS अफसरों ने किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन

रायपुर। रायपुर के गायत्रीनगर स्थित मौसी माता मंदिर में भगवान जगन्नाथ की रात्रि आरती में शुक्रवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में नजर आया। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन के लिए प्रदेश के मंत्री, विधायक, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

आरती में कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, डीजीपी अरुण देव गौतम, रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, रोहित साहू और चैतराम अटानी समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान सभी ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और शांति की कामना की। रथयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ हर साल की तरह मौसी माता मंदिर में नौ दिन के लिए विराजमान हैं। मान्यता है कि इस दौरान भगवान के दर्शन करने से भक्तों पर विशेष कृपा होती है। इसलिए इन दिनों बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। आरती के समय शंख, घंटियों और भजन-कीर्तन से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा।

चलती बाइक पर स्टंट और चार सवारी पड़ी भारी:4500 रुपए का चालान, ट्रैफिक पुलिस ने युवकों को बुलाया, अभिभावकों को भी दी समझाइश

रायपुर। रायपुर में सार्वजनिक सड़क पर बाइक पर स्टंट करना और चार सवारी बैठाकर चलना कुछ युवकों को महंगा पड़ गया। अखबार में प्रकाशित फोटो के आधार पर यातायात पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और संबंधित युवकों को ट्रैफिक कार्यालय बुलाकर कार्रवाई की। पुलिस ने मोटरयान अधिनियम के तहत कुल 4500 रुपए का चालान किया।

यातायात पुलिस के मुताबिक, समाचार पत्र में प्रकाशित एक तस्वीर में चार युवक एक ही दोपहिया वाहन पर सवार होकर सार्वजनिक सड़क पर स्टंट करते दिखाई दिए थे। मामला सामने आने के बाद पुलिस उपायुक्त (यातायात) डॉ. अर्चना झा के निर्देश पर युवकों को यातायात कार्यालय बुलाकर पूछताछ और सत्यापन किया गया।

जांच के बाद युवकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181, 5/180, 184 और 128/194(सी) के तहत कार्रवाई करते हुए 4500 रुपए का चालान काटा गया।

अभिभावकों को भी दी चेतावनी

कार्रवाई के दौरान युवकों और उनके अभिभावकों को सार्वजनिक सड़कों पर स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और संभावित जनहानि के बारे में समझाइश दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराने पर और कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस ने युवाओं और अभिभावकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें। दोपहिया वाहन पर निर्धारित संख्या से अधिक सवारी न बैठाएं, स्टंटबाजी से बचें और सभी यातायात नियमों का पालन करें।

स्नैपचैट वाली गर्लफ्रेंड निकली लड़का: 5 महीने तक करता रहा रोमांस, 65 हजार भी ऐंठे, मिलने गांव पहुंचा युवक तो खुला राज

रायपुर। सोशल मीडिया पर अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो पैसों के लेनदेन से पहले इस बात की पुष्टि जरुर कर लें कि कहीं आप ठगी के शिकार तो नहीं हो रहे हैं। रायपुर से ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां स्नैपचैट के जरिए युवती बनकर दोस्ती करने और प्रेमजाल में फंसाकर 65 हजार रुपए की ठगी की गई। पीड़ित को करीब पांच महीने तक युवती बनकर बातचीत करने वाला आरोपी असल में युवक निकला।

जब पीड़ित उससे मिलने गरियाबंद के बताए पते पर पहुंचा, तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। शिकायत के बाद पंडरी थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बिलासपुर जिले के केवटाडीह (भुतहा) निवासी 23 वर्षीय धनश्याम साहू रायपुर के सर्वोदय अस्पताल में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करता है और दुबे कॉलोनी स्थित हॉस्टल में रहता है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 24 दिसंबर 2025 को स्नैपचैट पर उसकी पहचान 'थनवी साहू' नाम की आईडी से हुई। दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी और कुछ समय बाद आरोपी ने खुद को युवती बताकर निजी परेशानियों का हवाला देते हुए अलग-अलग जरूरतों के नाम पर पैसों की मांग शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार, 24 दिसंबर 2025 से 27 अप्रैल 2026 के बीच पीड़ित ने अलग-अलग किश्तों में अपने यूपीआई अकाउंट से कुल 65 हजार रुपए आरोपी द्वारा बताए गए यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित ने बताया कि जब वह कथित युवती से मिलने उसके बताए पते ग्राम बासीन, जिला गरियाबंद पहुंचा तो पता चला कि 'थनवी साहू' नाम की आईडी का इस्तेमाल अमन साहू नाम का युवक कर रहा था।

रायपुर में आज सहायक कमांडेंट भर्ती परीक्षा: 1704 अभ्यर्थी होंगे शामिल, हर परीक्षार्थी की होगी फ्रिस्किंग और फेस ऑथेंटिकेशन, कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायपुर। रायपुर में संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स सहायक कमांडेंट भर्ती परीक्षा 19 जुलाई को होगी। परीक्षा जिले के 4 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। परीक्षा में कुल 1704 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, बैठने की व्यवस्था सहित सभी जरूरी सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं और आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो।

फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि हर परीक्षार्थी की प्रवेश से पहले फ्रिस्किंग और फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण 19 जुलाई को जिला कोषालय से किया जाएगा।

परीक्षा संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर नवीन ठाकुर को को-ऑर्डिनेटिंग सुपरवाइजर, डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को सहायक को-ऑर्डिनेटिंग सुपरवाइजर और रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को कंट्रोल रूम प्रभारी बनाया गया है।

प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे पहली पाली के लिए सुबह 9:30 बजे और दूसरी पाली के लिए दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंच जाएं। समय पर पहुंचने से फ्रिस्किंग, फेस ऑथेंटिकेशन और अन्य औपचारिकताएं बिना किसी परेशानी के पूरी की जा सकेंगी।

Vastu Guruji

BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >

CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन करियर और व्यक्तिगत विकास के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। लंबे समय से जिन मामलों में भ्रम की स्थिति बनी हुई थी, उनमें स्पष्टता आएगी और आप आत्मविश्वास के साथ निर्णय ले पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं।

वृषभ। आज आर्थिक दृष्टि से दिन काफी लाभकारी साबित हो सकता है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है, जिससे मानसिक राहत मिलेगी। निवेश से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े लोगों को नए ग्राहकों और लाभदायक सौदों का अवसर मिलेगा।

मिथुन। आज आपकी रचनात्मक क्षमता और कल्पनाशक्ति चरम पर रहेगी। कला, लेखन, मीडिया, डिजाइन या किसी भी सृजनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह दिन विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। आपके विचारों और सुझावों की सराहना होगी, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं और सहयोगियों का समर्थन भी प्राप्त होगा।

कर्क। आज आपको अपने वित्तीय मामलों और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, अन्यथा बजट प्रभावित हो सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को लेन-देन में सतर्कता बरतनी चाहिए और किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले पूरी जांच कर लें। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप उनका समाधान निकाल लेंगे।

सिंह। आज जीवन में संतुलन बनाए रखना आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता अधिक रह सकती है, लेकिन यदि आप समय का सही प्रबंधन करेंगे तो सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे हो जाएंगे। रचनात्मक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी और नए विचार आपको सफलता की ओर ले जा सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। व्यवसाय में नए प्रयोग लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

कन्या। आज का दिन आर्थिक लाभ और पेशेवर सफलता के कई अवसर लेकर आ सकता है। आकस्मिक धन लाभ के योग बन रहे हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यवसायियों को नए अनुबंध और लाभदायक अवसर मिल सकते हैं।

तुला। आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। निवेश से जुड़े किसी भी निर्णय को जल्दबाजी में न लें और विशेषज्ञों की सलाह अवश्य लें। पैसों के लेन-देन में सतर्कता रखें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन परिणाम मिलने में थोड़ा समय लग सकता है।

वृश्चिक। आज आर्थिक दृष्टि से दिन काफी शुभ रहने वाला है। आपकी संचित पूंजी में वृद्धि के संकेत हैं और आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। निवेश से जुड़े पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुभव का लाभ मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों से संतुष्ट रहेंगे और पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यवसायियों के लिए दिन लाभकारी रहेगा और नए प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो सकता है।

धनु। आज आपको हर निर्णय सोच-समझकर लेने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें और किसी भी निवेश से पहले पूरी जानकारी प्राप्त करें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान पहुंचा सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन धैर्य और मेहनत से आप सभी चुनौतियों का सामना कर लेंगे। व्यवसायियों को नए सौदों में सावधानी बरतनी चाहिए। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सामान्य रहेगा।

मकर। आज कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। लंबे समय से जिस सफलता का इंतजार था, उसके संकेत दिखाई दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। व्यवसायियों के लिए भी दिन लाभदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ। आज कार्यक्षेत्र में राजनीति और अनावश्यक विवादों से दूर रहना आपके लिए लाभदायक रहेगा। अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें और दूसरों की बातों में आकर निर्णय न लें। आपकी मेहनत और लगन का उचित परिणाम मिलेगा। आर्थिक मामलों में नए अवसर सामने आ सकते हैं, जिससे आय बढ़ने की संभावना है। व्यवसायियों को नए ग्राहकों और लाभदायक सौदों का अवसर मिलेगा। परिवार में सामान्य वातावरण रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

मीन। आज का दिन वित्तीय और व्यक्तिगत प्रगति के लिए बेहद अनुकूल रहेगा। आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे और रुके हुए कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे। आय बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और मेहनत की सराहना होगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगी। व्यवसायियों को भी अच्छे लाभ के संकेत हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ेंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है, क्योंकि पढ़ाई में एकाग्रता बनी रहेगी। स्वास्थ्य के मामले में ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा।

रांची में 26 जुलाई से फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप

135वें डूरंड कप 2026 की ट्रॉफी रांची पहुंची, ट्रॉफी शोकेस से हुआ भव्य आगाज

रांची। एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का आगाज रांची में ट्रॉफी शोकेस समारोह के साथ हो गया। दीपाटोली मिलिट्री स्टेशन स्थित केरकेट्टा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी का भव्य प्रदर्शन किया गया। समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, खेल विभाग के प्रतिनिधि, फुटबॉल प्रेमी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। ट्रॉफियों के रांची पहुंचने के साथ ही शहर में फुटबॉल का माहौल पूरी तरह बन गया है। कार्यक्रम में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

राज्य के लिए यह गर्व का क्षण

आयोजन को लेकर पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि झारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी कर अपनी अलग पहचान बना रहा है। डूरंड कप जैसे ऐतिहासिक टूर्नामेंट का रांची में आयोजन राज्य के लिए गर्व की बात है।

इससे न केवल फुटबॉल संस्कृति को मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य के युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आईबीजी-23 के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सज्जन सिंह मान ने डूरंड कप को भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और खेल भावना का प्रतीक है। उन्होंने फुटबॉल प्रेमियों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें। समारोह के दौरान मौजूद दर्शकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

इस वर्ष डूरंड कप के मैच देश के छह शहरों में आयोजित किए जाएंगे, जिसमें रांची प्रमुख केंद्रों में शामिल है। यहां बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 26 जुलाई से 16 अगस्त तक मुकाबले खेले जाएंगे। देश के शीर्ष क्लबों के साथ सर्विसेज टीमों की भागीदारी से टूर्नामेंट और रोमांचक होने की उम्मीद है।

वर्ष 1888 में शिमला के अन्नाडेल मैदान से शुरू हुआ यह टूर्नामेंट आज भारतीय फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में गिना जाता है। 2019 के बाद से इसका स्वरूप बहु-शहर टूर्नामेंट के रूप में विस्तारित हुआ है। रांची लगातार इसकी मेजबानी कर रहा है। ट्रॉफी शोकेस के साथ ही शहर में फुटबॉल का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। झारखंड की राजधानी रांची पहली बार प्रतिष्ठित डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी कर रही है।26 जुलाई से 16 अगस्त तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में कुल सात मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें ग्रुप सी के मैच और एक क्वार्टर फाइनल शामिल है। खेल प्रेमियों के लिए स्टेडियम में प्रवेश मुफ्त रहेगा।

रामगढ़ के गोला पहुंचा हाथियों का झुंडः फसलों को कर रहा बर्बाद, ग्रामीणों में दहशत; रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हुए लोग

रामगढ़ । रामगढ़ के गोला प्रखंड के सूतरी गांव में जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड पहुंच गया है। यह झुंड लगातार किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथियों ने मकई, धान और अन्य मौसमी फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया है।

हाथियों के इस दल ने केवल फसलों को ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के घरों को भी क्षतिग्रस्त किया है। कई घरों के दरवाजे तोड़कर अंदर रखे अनाज, जिनमें मिड डे मील का चावल भी शामिल है, खा जाने की घटनाएं सामने आई हैं।

20 हाथियों का झुंड रात के समय रिहायशी इलाकों और खेतों में प्रवेश करता है। इनकी लगातार मौजूदगी से गांव में भय का माहौल बना हुआ है। हाथियों के उत्पात के कारण ग्रामीण रातभर जागकर रतजगा करने को मजबूर हैं।

फसल लगाने का समय होने के कारण ग्रामीण विशेष रूप से चिंतित हैं, क्योंकि फसलों के बर्बाद होने से उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।

वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार कोई सकारात्मक पहल नहीं दिख रही है। यह पहली बार नहीं है; इससे पहले भी हाथियों का झुंड गोला, छतरपुर और मकनपुर जैसे क्षेत्रों में फसलों को बर्बाद कर चुका है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि उन्हें रात में गश्त के लिए टॉर्च उपलब्ध कराई जाए और हाथियों को भगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि वे सुरक्षित रह सकें और उनकी फसलें बच सकें।

रांची जिले को मिली 55 में से 27 एंबुलेंस कंडमः मेंटेनेंस नहीं होने से जंग खा रहीं

रांचीं। रांची में सरकारी एंबुलेंस वेंटिलेटर पर है। जिले को आवंटित 55 में करीब 27 एंबुलेंस कंडम हैं। सदर अस्पताल, रिम्स और प्रखंडों में एंबुलेंस सड़ रहे हैं। पुरानी एंबुलेंस तो झाड़ियों से ढंक गई हैं। जबकि, चार साल पहले खरीदी गई बड़ी एंबुलेंस के चारों ओर झाड़ियां उग गई है। एंबुलेंस के अंदर से बाहर जंग लग रहे हैं।

जो एंबुलेंस चल रहे हैं वह भी जवाब दे रहे हैं। क्योंकि, अधिकतर एंबुलेंस लाखों किमी का सफर तय कर चुके हैं। इन एंबुलेंस का मेंटनेंस नहीं होने की वजह से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी एंबुलेंस के दम तोड़ने की वजह से रांची में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने या वहां से घर ले जाने के लिए निजी एंबुलेंस का सहारा लेना पड़ रहा है। इसके लिए मरीज को काफी पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

बजरा स्थित सर्विस सेंटर में खड़ी हैं दर्जनों ऑफ रोड एंबुलेंस स्थिति यह है कि रांची स्थिति बजरा के निजी सर्विस सेंटर में मरम्मत के लिए दर्जनों 108 एंबुलेंस महीनों से खड़ी है। सर्विस सेंटर के कर्मी ने बताया कि कुछ गाड़ियों के सर्विस में आए एक माह से ज्यादा हो गया है। नियमित एंबुलेंस आती हैं और सर्विसिंग के बाद वापस चली जाती हैं।

दुमका-रांची स्पेशल ट्रेन समेत कई ट्रेनों में एसी कोच बढ़ेः श्रावणी मेला को लेकर रेलवे का बड़ा फैसला

जामताड़ा। पूर्व रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और बढ़ती भीड़ को देखते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। खासकर **JFWC** परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ध्यान में रखते हुए दुमका और रांची के बीच एक जोड़ी अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। 08619 रांची-दुमका अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 19 जुलाई 2026 को रात 8:20 बजे रांची से खुलेगी और अगले दिन सुबह 5:30 बजे दुमका पहुंचेगी। वहीं 08620 दुमका-रांची स्पेशल 20 जुलाई 2026 को सुबह 7:45 बजे दुमका से रवाना होकर शाम 5:45 बजे रांची पहुंचेगी। यह ट्रेन जामा, बासुकीनाथ, देवघर, जसीडीह, मधुपुर, विद्यासागर, जामताड़ा, चित्तरंजन, बराकर और कुमारडुबी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी, जिससे संताल परगना क्षेत्र के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलेगी।

श्रावणी मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 04185/04186 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-आसनसोल स्पेशल ट्रेन की सेवाओं का विस्तार अगस्त के अंत तक करने का फैसला किया है। 04185 झांसी-आसनसोल स्पेशल 29 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक निर्धारित तिथियों पर चलेगी।

जबकि 04186 आसनसोल-झांसी स्पेशल 30 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संचालित होगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इस ट्रेन के रूट, समय-सारिणी और ठहराव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रीपेड सुविधा थोपी नहीं जाएगीः उपभोक्ता चाहें तो चुन सकेंगे, सीईए ने नियमों ने किया बदलाव, प्रीपेड बिलिंग की अनिवार्यता की गई समाप्त

रांची। रांची में लग चुके हैं साढ़े तीन लाख मीटर, 3 लाख से अधिक हो चुके हैं प्रीपेड सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी (सीईए) के द्वारा नियमों में किए गए बदलाव का असर रांची और झारखंड के बिजली कंज्यूमरों पर भी पड़ेगा। सीईए ने स्मार्ट मीटर नियमों में बड़ा बदलाव किया है। जिसमें ऑथोरिटी ने नियमों में बदलाव करते हुए स्मार्ट मीटरों के लिए प्रीपेड बिलिंग की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

अब प्रीपेड सुविधा उपभोक्ताओं के लिए वैकल्पिक हो गई है। संचार नेटवर्क वाले इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय-सीमा के अनुसार जारी रहेगा। केंद्र ने साफ कहा है कि किसी भी उपभोक्ता पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर जबरदस्ती नहीं थोपा जाएगा। हालांकि इसका असर स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर नहीं पड़ेगा। मगर अब कंज्यूमर अपनी इच्छा से प्री-पेड या पोस्टपेड मोड का इस्तेमाल कर सकते हैं। अभी तक इसको लेकर जेबीवीएनएल ने कोई गाइड लाइन या दिशा-निर्देश जारी नहीं किया है।

अगर रांची की बात करें तो यहां शुरुआती सर्वे में 3.70 लाख मीटर रिंग रोड के अंदर के एरिया में लगाने थे, जिसमें 3.60 लाख से अधिक लग चुके हैं और करीब 3 लाख से अधिक प्री-पेड मोड में तब्दील भी हो चुके हैं। उसके आधार पर बिलिंग भी हो रही है। रांची शहर में इस वर्ष के अंत तक शत प्रतिशत कंज्यूमरों को स्मार्ट मीटर से जोड़ने का लक्ष्य है।

जहां संचार सुविधा है, वहां स्मार्ट मीटर प्राथमिकता नई नीति में सीईए ने स्पष्ट किया है कि जहां पर संचार सुविधा है, वहां पर स्मार्ट मीटर को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मगर प्री-पेड के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। हालांकि वर्तमान में जेबीवीएनएल केवल शहरों में ही स्मार्ट मीटर लगवाने का काम कर रहा है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के मार्च 2026 के आदेश में स्मार्ट मीटर और पुराने मीटर के बीच अलग बिजली दर नहीं रखी गई है। ऊहापोह में जेबीवीएनएल केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने अगस्त तक सभी सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगा कर बिजली घाटा और एंटीएंडीसी लोस कम करने का निर्देश दिया है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7	5		9				6
	2	3		8			4	
8					3			1
5			7		2			
	4		8		6		2	
			9		1			3
9			4					7
	6			7		5	8	
7				1		3	9	

पिछले अंक का उत्तर

1	9	4	6	2	7	3	5	8
3	2	5	9	8	4	1	6	7
6	8	7	3	1	5	4	2	9
9	4	3	7	5	1	2	8	6
7	6	2	4	3	8	5	9	1
8	5	1	2	9	6	7	3	4
2	7	6	8	4	3	9	1	5
5	3	8	1	7	9	6	4	2
4	1	9	5	6	2	8	7	3

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

सुरक्षा, सुगमता और यात्री सुविधाओं पर विशेष फोकस

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इनमें दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल के पिस्का और मुरी रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। दोनों स्टेशनों का कायाकल्प आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल सुविधाओं के साथ किया गया है।

पिस्का स्टेशन के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि रहे, जबकि मुरी स्टेशन पर राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार वर्मा और सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रेलवे के अनुसार, दोनों स्टेशनों को स्थानीय कला, संस्कृति और विरासत की पहचान के अनुरूप विकसित किया गया है। आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

अर्जेंटीना-स्पेन को फाइनल में पहुंचाने वाले 10 गेमचेंजर:मेसी ने सबसे ज्यादा 8 गोल दागे, स्पेनिश गोलकीपर सिमोन ने सिर्फ 1 गोल खाया

स्पोर्ट्स डेस्क। 102 मैच, 31 दिन और 46 टीमों के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 को दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंचा है, जबकि स्पेन 16 साल बाद फाइनल खेलेगा। दोनों टीमें 19 जुलाई की रात 12:30 बजे ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी।

फाइनल तक पहुंचने का रास्ता दोनों टीमों के लिए आसान नहीं रहा। कहीं आखिरी मिनट में मैच पलटा, कहीं एक्स्ट्रा टाइम में जीत मिली तो कहीं गोलकीपर ने शानदार बचाव कर टीम को बाहर होने से बचाया। अर्जेंटीना और स्पेन के इस सफर में 10 खिलाड़ी ऐसे रहे, जो जीत की सबसे बड़ी वजह बने।

39 साल के मेसी एक बार फिर अर्जेंटीना के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। ग्रुप स्टेज में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ टीम 85 मिनट तक 0-1 से पिछड़ रही थी, लेकिन आखिरी सात मिनट में मेसी ने दो असिस्ट देकर मैच पलट दिया। उनके नाम पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 8 गोल हैं।

सेमीफाइनल में एंजो ने इंग्लैंड के खिलाफ 25 गज दूर से शानदार शॉट लगाकर बराबरी दिलाई। डिफेंस और अटैक के बीच तालमेल बैठाने, गेंद पर नियंत्रण रखने और खेल की रफ्तार तय करने में उनकी भूमिका बेहद अहम रही।

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच 1-1 से बराबरी पर था। लॉटारो बतौर सब्स्टिट्यूट खेलने उतरे। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में उन्होंने हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना 0-2 से पीछे थी। 79वें मिनट में रोमेरो ने गोल कर वापसी की शुरुआत की और अगले 13 मिनट में टीम ने तीन गोल दागकर मैच पलट दिया। डिफेंस में उनके टैकल और इंटरसेप्शन ने कई मजबूत टीमों के हमले रोके।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल एक्स्ट्रा टाइम तक खिंच गया था। 112वें मिनट में अल्वारेज ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया।

स्पेन के फाइनल तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह उसका मजबूत डिफेंस रहा और उस डिफेंस की सबसे मजबूत कड़ी गोलकीपर उनाई सिमोन रहे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में एमबाप्पे के कई शॉट रोके। उन्होंने सभी मैच मिलाकर 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

यमाल ने अपनी स्पीड और ड्रिब्लिंग से हर मुकाबले में डिफेंडरों को परेशान किया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने बॉक्स के अंदर फाउल हासिल किया, जिस पर मिले पेनल्टी को मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदला।

स्पेन के सबसे भरोसेमंद फिनिशर ओयारजाबाल ने सेमीफाइनल में पेनल्टी पर गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने पांच गोल और एक असिस्ट किया। 19 साल के क्यूबार्सी ग्रुप स्टेज के हर मिनट मैदान पर रहने वाले इकलौते टीनएजर रहे। उन्होंने 295 में से 290 पास पूरे किए। 16 बार गेंद रिकवर की और सिर्फ एक फाउल किया। एमबाप्पे और रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा।

पोरो ने मिडफील्ड और अटैक के बीच सबसे मजबूत कड़ी का काम किया। छोटे-छोटे पास और बेहतरीन मूवमेंट से उन्होंने विपक्षी डिफेंस को लगातार तोड़ा। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरा गोल कर स्पेन की फाइनल में जगह पक्की कर दी।

बिजनेस न्यूज

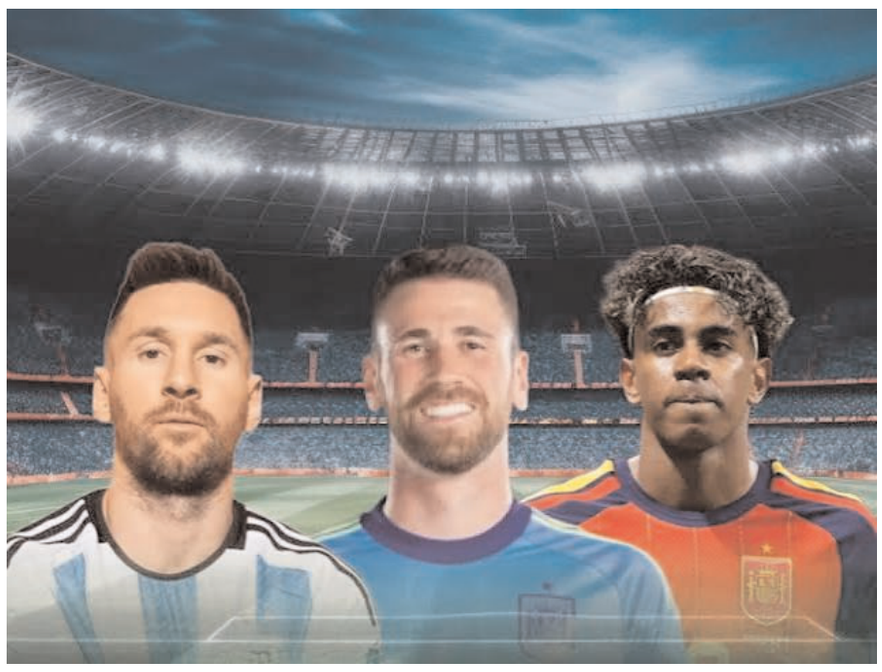

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाबः स्काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा, 2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था।

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 [illegible] की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 [illegible] की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ऑर्बिटल रॉकेट: जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है।

सब-ऑर्बिटल रॉकेट: रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक जाकर लौट आए, तो उसे सब-ऑर्बिटल रॉकेट कहते हैं। आमतौर पर 100 किमी की ऊंचाई पर अंतरिक्ष की शुरुआत मानी जाती है।

देश में जल्द चलेंगे प्लास्टिक-नोट, RBI ने जारी किया टेंडर:10 और 20 के नोटों से शुरू होगा ट्रायल, 2027 में फुल-स्केल लॉन्च की उम्मीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही देश में प्लास्टिक यानी पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने की [illegible] के प्लान का अगला कदम है।

10 और ग20 के नोटों से शुरू होगा ट्रायल

रिजर्व बैंक शुरुआती फेज में सबसे पहले छोटी वैल्यू के नोटों पर इसकी टेस्टिंग करेगा। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पहला पायलट प्रोजेक्ट ?10 और ?20 वैल्यू के छोटे नोटों के साथ शुरू होने की उम्मीद है।

इस ट्रायल के नतीजों और अनुभवों के आधार पर ही **RBI** आगे का फैसला लेगा। अगर यह टेस्टिंग पूरी तरह सफल रही, तो आरबीआई साल 2027 से देश में इन पॉलीमर नोटों का फुल-स्केल लॉन्च शुरू कर सकता है।

नए नोट के साथ पुराने कागजी नोट भी चलेंगे

भारतीय बाजार में पॉलीमर नोटों के आने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मौजूदा कागजी नोट तुरंत चलन से बाहर हो जाएंगे। **RBI** ने साफ किया है कि नई करेंसी पुराने पेपर नोटों की जगह नहीं लेगी।

को-एग्जिस्टेंस: बाजार में पॉलीमर और पेपर दोनों ही तरह के नोट एक साथ चलते रहेंगे।

फेज में बदलाव: यह बदलाव धीरे-धीरे और फेज मैनर से किया जाएगा।

सर्कुलेशन जारी रहेगा: जब तक नए नोट पूरी तरह स्थापित नहीं होते, तब तक कागजी नोट सर्कुलेशन में बने रहेंगे।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

पीवी सिंधु पहली बार जापान ओपन के फाइनल में:चीन की यूफेई को 7 साल बाद हराया, यामागुची से होगा खिताबी मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा।

सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी। सिंधु करीब 2 साल बाद [illegible] वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। वे अब इस सीजन में अपना पहला और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 लेवल का लंबे समय बाद पहला खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

क्वार्टर फाइनल में ओकुहारा ने वॉकओवर दिया

सिंधु को क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहरः हैमस्ट्रिंग चोट के कारण नहीं खेलेंगे; ट्रम्प फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल देखने पहुंचेंगे

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान रन लेते समय सुंदर चोटिल हो गए थे और बाद में इंग्लैंड की पारी में फील्डिंग करने भी नहीं उतरे थे।

भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मैच के बाद बताया कि वॉशिंगटन को पहला रन लेते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उन्होंने कहा कि चोट गंभीर लग रही है। वॉशिंगटन ने दूसरे वनडे में 5 गेंद पर 2 रन बनाए थे। आउट होने के बाद वह लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल देखने न्यू जर्सी पहुंचेंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। स्पेन-अर्जेंटीना के बीच होने वाले खिताबी मैच से पहले ट्रम्प न्यूयॉर्क स्थित ट्रम्प टॉवर में आयोजित फीफा स्वागत समारोह में भी हिस्सा लेंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति के सप्ताहांत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि ट्रम्प शुक्रवार को न्यूयॉर्क में फीफा रिसेप्शन में शामिल होंगे। रविवार को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में वर्ल्ड कप फाइनल का मुकाबला देखेंगे।

लेविट ने कहा कि यह टूर्नामेंट अमेरिकी इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया, सबसे सुरक्षित और सबसे सफल वर्ल्ड कप रहा है। उनके मुताबिक, यह आयोजन दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच की मेजबानी करने की अमेरिका की क्षमता का प्रमाण है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो भी पुष्टि कर चुके हैं कि वे ट्रम्प के साथ फाइनल देखेंगे। दोनों मिलकर विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपेंगे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि विश्व कप फाइनल के बाद ट्रंप उनके साथ पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद रहेंगे।

निरीक्षक वैभव मिश्रा जीवी मावलंकर शूटिंग स्पर्धा के लिए चयनित : 10 मीटर एयर-पिस्टल प्रतियोगिता में 340 से अधिक अंक हासिल किए

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस में पदस्थ रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा का चयन प्रतिष्ठित जी.वी. मावलंकर शूटिंग स्पर्धा के लिए हुआ है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में निर्धारित 340 से अधिक अंक हासिल कर व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए क्वालिफाई किया है।

यह उपलब्धि उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन की तरफ से आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ प्रदेश शूटिंग प्रतियोगिता में मिली। प्रतियोगिता का आयोजन 11 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक रायपुर के चौथी वाहिनी माना कैंप स्थित शूटिंग रेंज में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के आयोजन में जिंदल स्टील का सहयोग भी है।

प्रदेश भर के निशानेबाजों ने लिया था हिस्सा

प्रतियोगिता में प्रदेशभर के निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। वैभव मिश्रा ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित क्वालिफाइंग स्कोर से अधिक अंक अर्जित किए। इसके साथ ही उन्होंने देश की प्रतिष्ठित जी.वी. मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता में व्यक्तिगत वर्ग के लिए अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

रायपुर ग्रामीण में रक्षित निरीक्षक के पद पर पदस्थ

वैभव मिश्रा वर्तमान में रायपुर ग्रामीण पुलिस में रक्षित निरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं। पुलिस सेवा के साथ-साथ शूटिंग खेल में भी उनकी लगातार सक्रियता और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की जा रही है।

वैभव मिश्रा की इस उपलब्धि पर रायपुर ग्रामीण की पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने उन्हें बधाई देते हुए आगामी राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा के लिए बधाई देकर हौसलाफजाई की है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेंगे भारत के 125 खिलाड़ीः पिछली बार से 85 कम, सबसे ज्यादा 32 खिलाड़ी एथलेटिक्स के

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरू होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत ने अपने 125 एथलीटों के दल की घोषणा कर दी है। [illegible] की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दल में 77 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी कुल 13 खेल विधाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 32 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा बॉक्सिंग और जूडो में 14-14 और वेटलिफ्टिंग में 12 खिलाड़ी शामिल हैं। 2022 के बर्मिंघम गेम्स में भारत ने 210 एथलीट भेजे थे और 61 पदक जीते थे।

इस बार क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, स्क्वॉश, टेबल टेनिस और कुश्ती जैसे खेल शामिल नहीं हैं। इसलिए खिलाड़ियों की संख्या कम हुई है।

रीना रमेशचंद्र गुप्ता, इरेंगबम रितु चानू, जाधव मीनाक्षी हरिचंद्र, रायन्नावर लक्ष्मी रायप्पा (सभी खिलाड़ी विमेंस व्हीलचेयर कैटेगरी की हैं)।

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स

मेंस कैटेगरी- तपन मोहंती, तपेश्वरनाथ दास, स्वातिश केपी, सत्यजीत मंडल

विमेंस कैटेगरी- प्रणति नायक, निश्का अग्रवाल, ईशिता रेवाले, प्रतिष्ठा सामंता

एथलेटिक्स

ट्रैक मेंस कैटेगरी- गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेष कुजूर (200 मीटर), विशाल टीके (400 मीटर, मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले), राजेश रमेश (400 मीटर, मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले), गुलवीर सिंह (5000 मीटर, 10,000 मीटर), तेजस शिर्से (110 मीटर हर्डल), यशस पलाक्ष (400 मीटर हर्डल), संतोष कुमार तमिलरासन (400 मीटर हर्डल)

अनिमेष कुजूर 200 मीटर में भारत के सबसे तेज रनर हैं।

अनिमेष कुजूर 200 मीटर में भारत के सबसे तेज रनर हैं।

ट्रैक विमेंस कैटेगरी- रशदीप कौर (400 मीटर, मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले), नीरू पाठक (400 मीटर, मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले), अंसा बाबू (400 मीटर, मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले), पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज़, 5000 मीटर), प्रियंका गोस्वामी (10,000 मीटर वॉक), रवीना गायकवाड़ (10,000 मीटर वॉक)।

बस्तर संभाग के 14,891 अपात्र हितग्राहियों के नाम हटे

जगदलपुर। महतारी वंदन योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाए गए व्यापक सत्यापन अभियान में बस्तर संभाग के 14,891 अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। प्रदेशभर में ऐसे अपात्र लाभार्थियों की संख्या डेढ़ लाख से अधिक बताई जा रही है।

सत्यापन के दौरान फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आवेदन, गलत आयु का उल्लेख और मृत हितग्राहियों के नाम पर भी योजना का लाभ लिए जाने के मामले सामने आए। जांच में अपात्र पाए गए हितग्राहियों के नाम सूची से हटाते हुए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ केवल वास्तविक पात्र महिलाओं को ही मिलेगा।

सरकार ने योजना की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करते हुए डिजिटल रिकॉर्ड के साथ-साथ भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य कर दिया है। इसके अलावा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से खातों में भेजी जाने वाली राशि की भी नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो। अधिकारियों के अनुसार, महतारी वंदन योजना का उद्देश्य जरूरतमंद विवाहित महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। इसलिए पात्रता के मानकों का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी समय-समय पर सत्यापन अभियान जारी रहेगा और फर्जी जानकारी देकर योजना का लाभ लेने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस अभियान से सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा वास्तविक हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

मानसून फिर सक्रिय: बिलासपुर में 28 सेमी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में दिनभर बादल छाए रहे और रुक-रुक कर बारिश होती रही, जबकि बिलासपुर में 28 सेंटीमीटर बारिश दर्ज होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं और घरों में पानी घुसने की खबरें सामने आई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटों के दौरान मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने रायपुर, बलौदाबाजार, बेमेतरा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरबा, महासमुंद और सक्ती जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी रायपुर के लिए जारी स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून द्रोणिका अमृतसर से होकर पटना और बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। वहीं उत्तर पाकिस्तान के आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निम्न दबाव प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां तेज हुई हैं। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

मोबाइल और डिजिटल एडिक्शन से बचें, मानव बुद्धि ही सर्वोच्च है: राज्यपाल डेका

पीएसवाय राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है। आज जीवनशैली पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके समय में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई होती थी, तथा मेहनत और लगन ही सफलता का आधार थी। आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन विद्यार्थियों को अपनी मौलिक सोच और अध्ययन की आदत को बनाए रखना चाहिए।

राज्यपाल डेका ने शनिवार को रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में पीएसवाय एजुकेशन एवं रिसर्च फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह एवं पदक तथा निधि वितरण 2026 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट जिला शिक्षा अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छात्र जीवन की मित्रता सबसे निर्मल और अमूल्य होती है, जिसे जीवनभर संजोकर रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि डिजिटल एडिक्शन भी अन्य नशों की तरह हानिकारक है। मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यक अध्ययन और उपयोगी कार्यों तक सीमित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज के समय में गूगल और एआई उपयोगी साधन हैं, लेकिन वे मानव बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकते। जीवन में गूगल इफेक्ट नहीं होना चाहिए। सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता ही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है।

राज्यपाल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की प्रतिभा और रुचि को पहचानें तथा उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हर बच्चा आईआईटी या मेडिकल के क्षेत्र में ही जाए, यह आवश्यक नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अनेक नए पाठ्यक्रम और विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। आज प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और नवाचार के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं।

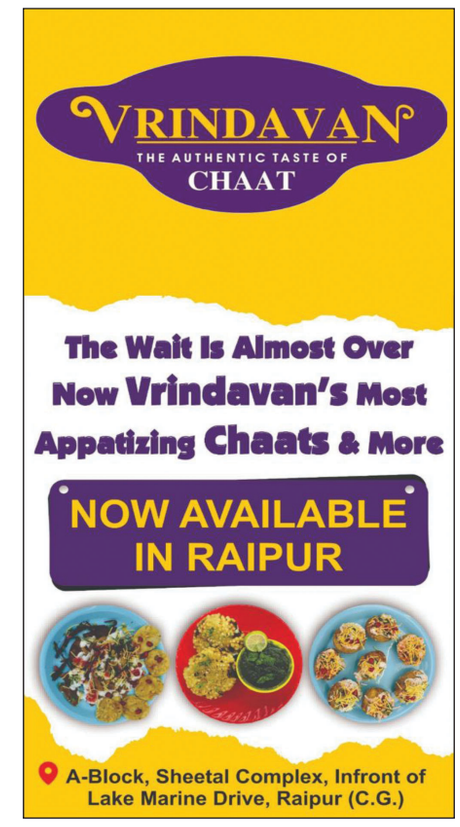

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684